RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | गुरूवार, 30 जनवरी 2025 | वर्ष: 02, अंक: 343, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू.र | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आत्म अनुशासन बनाए रखें, अपने नजदीकी घाट पर ही करें स्नान: सीएम योगी

महाकुम्भ नगर

मौनी अमावस्या के पावन स्नान पर्व पर प्रयागराज सनातनियों का महासागर बन चुका है। संगम में पवित्र डुबकी की आस लिये महाकुम्भ नगर पहुंचे श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रमुख संतों ने अपील जारी की है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि श्रद्धालुगण मां गंगा के जिस भी घाट के समीप हैं, वहीं स्नान करें, संगम नोज की ओर जाने का प्रयास न करें। स्नानार्थियों के लिए कई घाट बनाए गये हैं, जहां सुविधाजनक रूप से स्नान किया जा सकता है। उन्होंने सभी से मेला प्रशासन के निदेशों का पालन करने की अपील की है। सीएम योगी ने सभी से अपील की है कि वह किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान न दें।

संगम में स्नान का आग्रह छोड़ दें सीएम योगी के साथ ही धर्म गुरुओं ने भी श्रद्धालुओं से अपील की है। स्वामी रामभद्राचार्य ने महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे सभी संगम में स्नान का आग्रह छोड़ दें और निकटतम घाट पर स्नान करें। लोग अपने शिविर से बाहर न निकलें। अपनी और एक दूसरे की सुरक्षा करें। उन्होंने वैष्णव सम्प्रदाय के प्रमुख संत की हैसियत से सभी अखाड़ों और श्रद्धालुओं से अफवाहों से बचने का आह्वान किया।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर भगदड़, 30 की मौत

60 लोग घायल, मची चीख पुकार, दौड़ते रहे पीड़ित

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ में बुधवार को मौनी अमावस्या पर बड़ा हादसा हो गया। संगम नोज के पास देर रात भगदड़ मच गई। हादसे में ९० श्रद्धालु घायल हो गए। सभी को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां ३० घायलों की मौत हो गई। ६० घायलों का उपचार चल रहा है। मारे गए ३० श्रद्धालुओं में से २५ की शिनाख्त कर ली गई है और पांच की पहचान की जा रही है। घायलों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतकों में प्रयागराज के अलावा बिहार, झारखंड, कोलकाता के रहने वाले हैं।

बुधवार देर शाम मेलाधिकारी विजय किरण आनंद और डीआईजी वैभव कृष्ण ने मौनी अमावस्या के पर्व पर संगम नोज में हुए हादसे की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व प्रातः एक बजे से २ बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव बना। भीड़ के दबाव के कारण दूसरी ओर के बैरिकेड्स टूट गए और लोग बैरिकेड्स लांघकर दूसरी तरफ आ गए और ब्रह्म मुहूर्त पर स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं को कुचलना शुरू कर दिया।

शासन ने तत्काल राहत और बचाव कार्य करते हुए भीड़ को हटाया और एंबुलेंस के माध्यम से लगभग ९० घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया, लेकिन इसमें से दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से ३० श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई है। इनमें से २५ की पहचान हो चुकी है और शेष की शिनाख्त की जानी बाकी है। मृतकों में कुछ लोग बाहर के प्रदेशों से हैं, जिसमें कर्नाटक से चार, असम से एक, गुजरात से एक है। कुछ घायलों को परिवार के लोग लेकर चले गए हैं और ३६ घायलों का इलाज स्थानीय मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला प्रशासन के द्वारा हेल्पलाइन नंबर १९२० जारी किया गया है। इस समय स्थिति सामान्य है। २९ जनवरी को शासन ने सख्त निर्देश दिए थे कि कोई भी वीआईपी प्रोटोकॉल नहीं होगा। आज मेला प्रशासन ने वीआईपी प्रोटोकॉल इंटरटेन नहीं किया। आगे जो भी मुख्य स्नान पर्व हैं उस पर कोई वीआईपी प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। जिन मृतकों की पहचान हुई, उनमें से ज्यादातर के परिजनों का कहना है कि अचानक पीछे से तेजी से भीड़ आने की वजह से भगदड़ मची। उधर कुछ अन्य वजहें भी चर्चा में रही, जिनमें से एक यह रही कि भीड़ में शामिल कुछ युवक शोर मचाते हुए आगे बढ़े। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। कहा जा रहा है कि विस्तृत जांच के बाद ही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

महाकुम्भ हादसे पर भावुक हुए सीएम योगी, न्यायिक जांच के दिए आदेश

पत्रकारों को महाकुम्भ हादसे की जानकारी देते हुए सीएम योगी की आंखें हुई नम

मुख्यमंत्री ने दिए न्यायिक जांच के आदेश, 3 सदस्यीय आयोग का किया गठन

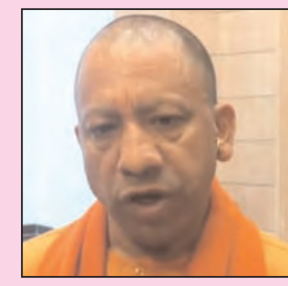

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ हादसे को लेकर बुधवार देर शाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पत्रकारों से वार्ता करते हुए भावुक हो गए। घटना का जिक्र करते हुए उनका गला रुंध गया और आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा, "भारी भीड़ और बैरिकेड्स टूटने के कारण यह दुखद हादसा हुआ।" मुख्यमंत्री ने हादसे की न्यायिक जांच के आदेश देते हुए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग के अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश हर्ष कुमार होंगे, जबकि पूर्व डीजी वी.के. गुप्ता और रिटायर्ड आईएएस डी.के. सिंह को आयोग में शामिल किया गया है। यह आयोग एक समय सीमा के अंदर अपनी रिपोर्ट देगा। पुलिस भी मामले की जांच करेगी और हादसे के कारणों की गहराई से पड़ताल की जाएगी। यही नहीं, गुरुवार को मुख्य सचिव और डीजीपी भी प्रयागराज जाकर घटना की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा, "प्रशासन ने कई दौर की समीक्षा बैठकें की थीं, फिर भी यह हादसा कैसे हुआ? इसकी गहन जांच होगी।" सरकार ने मृतकों के परिवारों को ?25-25 लाख की सहायता राशि देने की भी घोषणा की है। इसके अतिरिक्त मुख्य सचिव और डीजीपी को गुरुवार को घटनास्थल का दौरा कर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। वे हालात का जायजा लेंगे और रिपोर्ट सौंपेंगे। घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भावुक हो गए और बोले, "इतनी तैयारियों के बावजूद यह हादसा बेहद दुखद है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी त्रासदी दोबारा न हो।" उन्होंने कहा कि मंगलवार शाम 7 बजे से ही काफी बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन प्रयागराज पहुंचकर स्नान भी कर रहे थे और काफी बड़ी संख्या में ब्रह्म मुहूर्त का भी इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अखाड़ा मार्ग पर संगम तट पर यह हादसा हुआ। यह हादसा भारी भीड़ के द्वारा अखाड़ा मार्ग के बैरिकेड्स को तोड़ने और उसके बाद उससे कूदकर जाने के कारण हुआ है, जिसमें 30 के आसपास लोगों की मृत्यु हुई है।

मौनी अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

कड़ा के कुबरी, संदीपन एवं पल्हाना समेत दर्जन भर घाटों पर उमड़ा आस्था

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी/कड़ा। माघ माह की मौनी अमावस्या पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए बुधवार को जिले के विभिन्न गंगा घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। कड़ा के कुबरी, हनुमान, बाजार घाट के अलावा संदीपन, पल्हाना, फतेहपुर समेत दर्जनभर घाटों पर भोर से ही श्रद्धालु डुबकी लगाने लगे। कड़ा में गंगा स्नान करने के बाद मां शीतला दरवार में माथा टेकने के लिए श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही।

माघ माह में पड़ने वाली मौनी अमावस्या सोमवती पर पड़ने के कारण विशेष महत्व वाली मानी जाती है। इस दिन गंगा स्नान कर दान करने से अक्षय पुण्यलाभ होता है। स्नान पर्व के महत्व को देखते हुए बुधवार को जिले गंगा के विभिन्न घाटों पर पुण्य की डुबको लगाने के लिए जुटी श्रद्धालुओं की भीड़ से भोर में घाटों का सन्नाटा टूट गया। कड़ा में गंगा स्नान करने के लिए दूर दराज के श्रद्धालु मंगलवार की शाम को ही धाम पहुंच चुके थे। घाटों पर भीड़ बढ़े इससे पहले श्रद्धालुओं ने धाम के कुबरी, हनुमान, बाजार घाट पहुंचकर भोर में ही पुण्य की डुबकी लगा ली। इसके बाद भी घाटों पर पूरे दिन स्नानार्थियों का तांता लगा रहा। गंगा स्नान करने के बाद मां शीतला का दर्शन-पूजन करने के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के जयकारे से मंदिर परिसर गूंजता रहा। यहां पर प्रशासन ने गंगा घाट में बैरीकेडिंग, प्रकाश व सुरक्षा के इंतजाम कर रखे थे। डीएम मधुसूदन हुल्गी, एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव, एएसपी राजेश कुमार सिंह ने पार्किंग स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

यहां के अलावा संदीपन, पल्हाना, शहजादपुर, फतेहपुर आदि गंगा घाटों पर दोपहर बाद तक हजारों की संख्या में जिले के अलावा दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

रातभर होती रही चार पहिया, बस व ट्रेन की चेकिंग

मंझनपुर। महाकुंभ मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले की पुलिस व प्रशासनिक अफसर संजीदा रहे। मंगलवार की रात से लेकर बुधवार की दोपहर तक जिले के प्रमुख बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों व चेक प्रयागराज कौशांबी की सीमा में बने चेक पोस्ट पर तलाशी अभियान जारी रहा। वाहनों व कुंभ जाने वाले लोगों की तलाशी मेटल डिटेक्टर से लेने के बाद ही उन्हें आगे जाने के लिए छोड़ा जा रहा था।

संक्षिप्त खबरें

तीन वारण्टी चढ़े पुलिस के हत्थे

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना चरवा संदीपन घाट पुलिस ने वारंटी की तलाश में तीन वारंटी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना चरवा पुलिस उ०नि० विपलेश सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा वारण्टी अभियुक्त ओम प्रकाश पुत्र ननकूलाल निवासी रसूलपुर थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना संदीपनघाट पुलिस उ०नि० अनुराग सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा 2 वारण्टी अभियुक्तों अतीक अहमद . इश्तियाक अहमद पुत्रगण जुल्फेकार उद्दीन निवासीगण जलालपुर बोरियो थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

निरोधात्मक कार्यवाही में 06 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना मंझनपुर से 02, थाना कोखराज से 01, थाना मोहब्बतपुर पइंसा से 03) कुल 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान मा० न्यायालय किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानो व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 124 वाहनों का ई-चालान किया गया।

वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जपनद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस उ०नि० सुभाष चन्द्र यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त देवेन्द्र कुमार उर्फ सुरेन्द्र कुमार पुत्र राम कुमार निवासी फरीदपुर संवरो थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त 01 अदद लाठी/डण्डा बरामद किया गया।

सराय अकिल ने मुस्तफाबाद को 100 रन से हराया, मैन ऑफ द मैच बने मुदित

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। सराय अकिल के बिन्नई मोड़ के पास चल रहे लीग क्रिकेट टूनार्मेंट में सराय अकिल और मुस्तफाबाद गांव के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में सराय अकिल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुस्तफाबाद को 100 रनों से करारी शिकस्त दी। सराय अकिल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शानदार स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में मुस्तफाबाद की टीम लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रही और पूरी टीम सस्ते में ही पवेलियन लौट गई। इस मुकाबले में सराय अकिल के मुदित त्रिपाठी ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 36 रन बनाए और 4 महत्वपूर्ण विकेट भी झटके। उनके बेहतरीन खेल के लिए उन्हें "मैन ऑफ द मैच" चुना गया। इस जीत के साथ सराय अकिल की टीम टूनार्मेंट में और मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। दर्शकों ने मैच का खूब लुत्फ उठाया और मुदित त्रिपाठी की शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की।

पुलिस की सतर्कता फलस्वरूप मात्र 01 घंटे के अन्दर गुमशुदा बच्ची को बरामद कर किया परिवारीजन को सुपुर्द

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थाना सुल्तानपुर घोष क्षेत्रान्तर्गत नौबस्ता घाट से 02 वर्षीय बच्ची अपने परिजन से बिछड़ गयी थी । थानाध्यक्ष सुल्तानपुर घोष द्वारा तत्काल टीम गठित कर बच्ची के परिजन की तलाश सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से करते हुए मात्र 01 घण्टों में गुमशुदा बच्ची को उनके परिजन(माता व अन्य) नि0ग्राम कटोघन थाना खागा जनपद फतेहपुर को सुपुर्द किया गया परिवारीजनो द्वारा फतेहपुर पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्य से थाना व जनपद पुलिस के तत्काल कार्यवाही की सराहना की जा रही है।

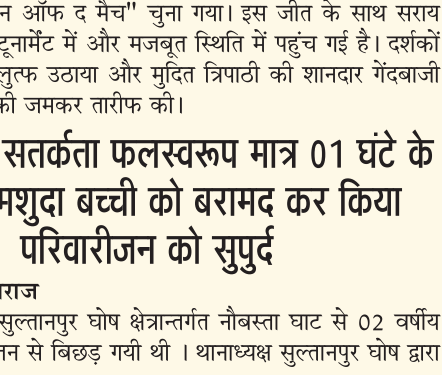

चोरी की मोबाइल फोन के साथ शातिर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में देर रात को थाना जहानाबाद पुलिस द्वारा चोरी से सम्बंधित अभियुक्त सरफराज उर्फ अंगूरी पुत्र अक्कन निवासी मोहल्ला रज्यौडा कोडा कस्बा व थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर कब्जे से एक अदद मोबाइल कीपैड कैचोडा कम्पनी बिना सिम बरामद किया गया।

मौनी अमावस्या को लेकर डीएम एसपी ने यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह व पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के द्वारा महाकुम्भ मेला - 2025 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने व मौनी अमावस्या के दृष्टिगत जनपद की मंडी समिति खागा में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु लगाई डायवर्जन ड्यूटियों को चेक किया गया व श्रद्धालुओं के ठहरने/ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। ड्यूटी में लगे सम्बंधित अधि0/कर्म0गण को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है।

महिलाओं को 1076 के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

पुलिस ने 4 वांछित अभियुक्त को दबोचे

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर सतरिख पुलिस ने वांछित आरोपियों की तलाश में चार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना सतरिख पुलिस टीम द्वारा चार वांछित अभियुक्तगण रामप्रताप पुत्र श्रीराम भुईया, आकाश पुत्र रामप्रताप निवासीगण बाबा मंदिर बड़ेल थाना कोतवाली नगर बाराबंकी, कल्लू यादव उर्फ काका पुत्र स्व0 थनई निवासी गोहलिया थाना चिनहट लखनऊ, रामसुरेश यादव पुत्र स्व0 रामकिशोर निवासी ग्राम जरूवा मजरे भिटौली कला थाना सतरिख जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया।

डीएम एसपी द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार बाराबंकी का किया औचक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। बुधवार को जिलाधिकारी बाराबंकी शंशाक त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा जिला कारागार में संयुक्त रुप से पुलिस बल के साथ जिला कारागार बाराबंकी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों, मेस, जेल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे,वीडियो कान्फ्रेंसिंग रूम आदि की सघन चेकिंग की गई। तदोपरांत कैदियों की समस्याओं/सुविधाओं के सम्बन्ध में सम्बन्धित से जानकारी ली गई तथा साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध में कारागार कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये तथा जिला कारागार निरीक्षण के दौरान बन्दियों से मिलने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध मे जानकारी की गई। जिलाधिकारी बाराबंकी द्वारा निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव व आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

पुलिस अधिकारी बनकर साइबर फ्रॉड कर निकाली गई धनराशि पुलिस द्वारा पीड़िता के खाते में वापस कराया

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। साइबर सेल , जनपद बाराबंकी को ऑनलाइन शिकायती प्रार्थना पत्र हुआ, जिसमें साइबर अपराधियों द्वारा आवेदिका/पीड़िता स्वाति पांडे निवासी सफेदाबाद जनपद बाराबंकी को फर्जी नंबर से कॉल कर स्वयं को पुलिस अधिकारी बताते हुए केस में फंसाने के धमकी व डरा धमका कर पीड़िता से 65000/- रुपए का फ्रॉड किए जाने का उल्लेख किया गया। संदर्भित प्रकरण में तत्काल साइबर क्राइम थाना द्वारा साइबर तकनीकी का प्रयोग कर संबंधित मर्चेंट से पत्राचार कर 42700/- रुपए की धनराशि पीड़िता के खाते में वापस कराया गया।

पुलिस टीम

निरीक्षक संजीव कुमार यादव प्रभारी साइबर थाना निरीक्षक विनय प्रकाश राय प्रभारी साइबर सेल. उ0नि0 इफलाक अहमद साइबर सेल

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की मौत पर कांग्रेसियों ने जताया दुख

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। मौनी अमावस्या के अवसर पर संगम प्रयागराज में बुधवार की भोर में हुए हादसे में कई श्रद्धालुओं के दु:खद मृत्यु हो गई है इसी क्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आवाहन पर व कौशाम्बी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में नगर अध्यक्ष कांग्रेस चरवा निक्की पाण्डेय की उपस्थिति में चरवा स्तिथ शिव मंदिर में मृत आत्माओं की शान्ति व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की गई.जिसमे प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव राजेश साहनी महेंद्र मिश्रा,कांग्रेस सोसल मीडिया के जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,भोला केसरवानी,कैलाश केसरवानी,अशोक कुमार केसरवानी,पंकज त्रिपाठी,विवेक,सुरेंद्र सरोज,समर सरोज,फूल चंद्र कुशवाहा, मृगांक मौर्या राकेश पाल आदि कोई लोग मौजूद रहे।

दो बच्चों को छोड़ विवाहिता ने लगाई फांसी

पति नोएडा में काम करता है, 12 साल पहले हुआ था प्रेम विवाह

संजीव विश्वकर्मा
सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव खारी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 35 वर्षीय नेहा ने अपने घर में फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। नेहा ने 12 साल पहले शाहिद से प्रेम विवाह किया था और दो बच्चों की मां थी। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गर्ड और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए । मृतका के पति शाहिद नोएडा में रहकर फर्नीचर का काम करता हैं, जबकि नेहा बच्चों के साथ खारी गांव में रह रही थी। सूचना पाकर सीओ सिटी संग्राम सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेंद्र पाल सिंह चौहान पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है।

कप्तान ने बाराबंकी क्षेत्र में यातायात डायवर्जन/सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण/भ्रमण कर दिए-निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। जनपद अयोध्या में बुधवार को मौनी अमावस्या के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ रखने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश कुमार सिंह द्वारा जनपद बाराबंकी के चौपुला व सफदरगंज में यातायात डायवर्जन/सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण/भ्रमण किया गया एवं सम्बन्धित को सतर्क दृष्टि रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक डॉ0 अखिलेश नारायण सिंह, क्षेत्राधिकारी फतेहपुर श्री जगतराम कन्नौजिया व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें।

बांधे थे हाथ ताकि न छूटे अपनों का साथ...

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

महाकुंभनगर। संगम की रेती पर उमड़े जनसैलाब के बीच छड़ी, पेड़ की टहनी या लाल कपड़े के निशान लहरा रहे थे। ये उनके निशान थे, जो दूरदराज के गांवों से पुण्य कमाने आए थे। अपने गुम न हो जाएं इसलिए श्रद्धालु पहचान के लिए निशानी ले कर चल रहे थे। ठसाठस भरे रास्ते में कुछ मीटर की दूरी भी साथियों से बिछड़ जाने के लिए काफी होती है। ऐसे में एक खास निशान देखकर सब एक दूसरे को इंड सकते हैं। अमावस्या के मेले में आए श्रद्धालुओं के जत्थों की असल चिंता थी कि कहीं एक दूसरे से साथ छूट न जाए। साथ बनाए रखने के लिए किसी ने एक दूसरे का हाथ गमझे से बांध लिया था तो कोई कपड़ों में गांठ बांध कर चल रहा था। इसलिए इस बार तय किया कि एक दूसरे का हाथ नहीं छोड़ेंगे। खचाखच भरे रास्तों पर चलने वालों में ऐसे नजारे आम थे।

बिजली के खंभों पर लिखे नंबरों को भी बनाया निशान

संगम पर नहाने वालों ने बिजली के खंभों को पहचान बनाया। इस बार खंभों पर नंबर डाले गए थे। श्रद्धालु नहाने से पूर्व इन्हीं खंभों का नंबर देखकर अपने कपड़े आदि रख रहे थे ताकि नहाकर लौटने पर रास्ता न भटके और अपनों से बिछड़ न जाएं। स्नान के दौरान यह नजारा आम होता है कि लोग भटक जाते हैं और घंटों उस जगह को ढूंढते हैं जहां कपड़े रखे गए थे।

भगदड़ के हादसे देख कल्पवासी के कांप गया कलेजा

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या की रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच में हुए भगदड़ से हुए हादसे से का मंजर देखकर महाकुंभ में कल्पवास कर रहे श्रद्धालुओं का कलेजा कांप गया। और हर तरफ मेले में अफरा तफरी मचा रहा हादसे के कारण कई श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान नहीं कर सके।

अपनों की तलाश में बदहवास रहें परिजन

मौनी अमावस्या पर संगम तट पर हादसे के बाद लाचार, बेबस और बदहवाश परिजन अपनों की तलाश में भटक रहे थे। अस्पताल दर अस्पताल, पूछताछ केंद्रों पर एक ही गुहार हमारे अपनों के बारे में बता दीजिए। कोई फोटो दिखाता तो कोई हाथ जोड़ता, आंखों से झर-झर आंसू बह रहे थे। बस उम्मीद थी कि शायद कोई बता दे कि आपके अपने ठीक हैं। केंद्रीय चिकित्सालय में एक के बाद एक एंबुलेंस की कतार लग रही थी। सायरन की आवाज गूंज रही थी।

सुबह सात बजे तक लगातार घायल लाए जा रहे थे। जैसी ही कोई एंबुलेंस पहुंचती चिकित्सकों की टीम दौड़कर घेर लेती और घायल को फटाफट स्ट्रेचर के सहारे अंदर ले जाते। इसके बाद जब परिजन पहुंचे तो वह कभी पुलिसकर्मियों से तो कभी चिकित्सकों से अपनों के बारे में पूछ रहे थे। चिकित्सालय के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई थी। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारी लोगों को इकट्ठा नहीं होने दे रहे थे। औरेया निवासी गुड़िया पांडेय ने बताया कि 17 साल की बेटी स्वीकृति पांडे दब गई थी। बिजली का पोल नहीं मिलता तो सभी मर जाते। छोटे बेटे को पोल पर चढ़ा दिया था, लेकिन बेटी नीचे दबी रह गई थी। इसकी वजह से उसकी हालत बहुत गंभीर हो गई।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं पर हुई पुष्पवर्षा

अमृत स्नान पर्व पर सभी घाटों और अखाड़ों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

महाकुम्भ नगर।

महाकुम्भ 2025 के दूसरे अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या पर बुधवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे अखाड़ों के साधु, संतों, नागाओं और श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। हेलीकॉप्टर से सभी घाटों और अखाड़ों पर स्नान के दौरान श्रद्धालुओं पर फूलों की बारिश की गई। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद श्रद्धालुओं ने भी जय श्री राम और हर हर महादेव के नारे लगाए। पुष्प वर्षा के लिए उद्यान विभाग ने 25 क्विंटल गुलाब की पंखुड़ियों की व्यवस्था की थी।

बना रिकॉर्ड और एक दिन के लिए प्रयागराज हुआ दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या पर देश-विदेश से आए करोड़ श्रद्धालुओं की वजह से प्रयागराज के खाते में एक उपलब्धियां दर्ज हो गई एक दिन के लिए ही सही लेकिन बुधवार को प्रयागराज विश्व का कि सर्वाधिक आबादी वाला शहर बन गया। टोक्यो, दिल्ली, शंघाई, न्यूयॉर्क से आबादी के मामले में प्रयागराज आगे निकल गया। जिला प्रशासन के अनुसार मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में आठ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई जो विश्व में सर्वाधिक आबादी वाले शहर जापान की राजधानी टोक्यो से सवा करोड़ ज्यादा रहा। आबादी के हिसाब से विश्व के टॉप टेन शहरों की बात की जाए तो उसमें भारत के दो शहर शामिल है इसमें दिल्ली विश्व में दूसरे नंबर पर है तो मुंबई चौथे स्थान पर है फिलहाल इन सभी शहरों को पीछे कर प्रयागराज बुधवार को विश्व की सर्वाधिक आबादी वाला शहर बना यहां की आबादी चीन की शंघाई शहर से दोगनी रहीं।

मौनी का मेला, जहां मोड़ा उधर मुड़ चला भीड़ का रेला

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या पर मंगलवार को ही करोड़ से ज्यादा लोग मेले में आ गए थे या सिलसिला बुधवार तक चलता रहा। श्रद्धालुओं की भीड़ मेले के बाहर बढ़ने लगी तो पुलिस का ट्रैफिक प्लान पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। आनन फनन में स्टेशनों बस अड्डों तक पहुंच के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर सबको रोक दिया गया, या डायवर्ट कर दिया। सिर पर गठरी लिए श्रद्धालुओं का रेल उधर ही मुंड जाता जिधर उन्हें मोड जाता।

लाखों की संख्या में लोगों ने पैदल ही शास्त्री पुल, फाफामऊ पुल, नए यमुना पुल और पुराने पुल से बाहर गए सटल बस तथा अन्य बसों से श्रद्धालुओं को बाहर भेजने की व्यवस्था भीड़ की वजह से चरमरा गई थी। मेला और जिला पुलिस के सामान्य में ग्राउंड कंट्रोल और ट्रैफिक के कई वैकल्पिक प्लान बनाए गए थे।

> " आनन फनन में स्टेशनों बस अड्डों तक पहुंच के रास्तों पर बैरिकेडिंग कर सबको रोक दिया गया, या डायवर्ट कर दिया। सिर पर गठरी लिए श्रद्धालुओं का रेल उधर ही मुंड जाता जिधर उन्हें मोड जाता "

सुबह से सब ठीक चल रहा था इसके बाद यकायक मेले में भीड़ का रेल निकाल कर स्टेशनों और बस अड्डे की ओर बढ़ने लगा कुछ ही देर में पूरा जंक्शन सिटी स्टेशन और प्रयाग रेलवे स्टेशन पूरी तरह से फूल हो गया।

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने कोशिश की की ज्यादा से ज्यादा लोगों को पुलों के माध्यम से बाहर से भेजा जाए। सिरों पर गठरी लदे बच्चों के साथ लिए भीड़ बेहाल होकर जिधर पुलिस वाले कहते उधर मुड़ जाती।

दो चोर गिरफ्तार कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल व अन्य मोटरसाइकिलों के पुर्जे बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा चोरी से सम्बन्धित 2 अभियुक्तों वकार अहमद पुत्र मकसूद अहमद निवासी ग्राम मन्दर देह माफी थाना पूरामुफ्ती व मुन्ताज पुत्र फैयाज अली निवासी ग्राम कदिलापुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर बुधवार मन्दर देह माफी थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 चोरी की मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेण्डर अन्य मोटरसाइकिल के पुर्जे व अन्य चोरी की मोटरसाइकिलों के पुर्जे बरामद किये गये।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

मनोज कुमार सिंह, थाना प्रभारी पूरामुफ्ती, बृजेश सिंह, चौकी प्रभारी सल्लाहपुर, उ0नि0 संतोष कुमार यादव, उ0नि0 राजेश कुमार, यादव थाना पूरामुफ्ती, कमिश्नरेट प्रयागराज।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारा आयोजित किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। हथिगहां चौराहे पर मौनी अमावस्या के अवसर पे भाजपा नेता उमेश तिवारी के नेतृत्व में भंडारा आयोजित किया गया करने लोगों को दमालू पूड़ी वितरित की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से दुर्गेश त्रिपाठी, नागेश्वर मौर्य, हरिश्चंद्र गुप्ता, राम चन्द्र मौर्या, अशोक साहू, अशोक यादव, शिवम मौर्या, बोई,जैक, गुड्डू राजा आदि मौजूद रहे।

जमीन विवाद में भाई ने भाई को पीटा

पुलिस ने 10 घंटे थाने में बिठाए रखा, सीसीटीवी कैद हुई वारदात

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर! स्योहारा थाना क्षेत्र में जमीन विवाद ने परिवार के दो भाइयों के बीच हिंसक रूप ले लिया। मामले में एक भाई और उसके परिवार ने दूसरे भाई पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिसका पूरा वाक्या सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। घटना 27 जनवरी की है, जब मुनीर पुत्र यासीन अपने घर पर था। इसी दौरान उनके भाई मरगूब, उनके बेटे मोहम्मद आजम और सलमान, पत्नी शबनम तथा फैयाज पुत्र इस्लामुद्दीन लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी लेकर उनके कमरे में घुस आए। आरोपियों ने मुनीर के साथ जमकर मारपीट की, जिसकी पूरी रिकॉर्डिंग घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।पीड़ित मुनीर ने बताया कि उनके कुल 7 भाई हैं। विवाद की जड़ में जमीन का मामला है, जहां मरगूब और उसका परिवार मुनीर और उनके भाई मुनीब की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं। इसी रंजिश के चलते यह हमला किया गया।

पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई की कही बात मामले में पीड़ित ने पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। मुनीर का कहना है कि थाना पुलिस ने न केवल उनकी शिकायत नहीं सुनी, बल्कि उन्हें बिना किसी कारण के करीब 10 घंटे थाने में बिठाए रखा और रात में छोड़ा। अब पीड़ित ने एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी।

संक्षिप्त खबरें

संस्कार भारती के मंच पर 'राजा भर्तृहरि' की नौटंकी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संस्कार भारती महेश्वर परिसर के मंच पर कौशांबी के संतोष कुमार के दल द्वारा नौटंकी 'राजा भर्तृहरि' की प्रभावशाली प्रस्तुति की गयी। मंच पर संतोष चौधरी, गुरू गोरखनाथ, विक्रमजीत, घनश्याम राजा भर्तृहरि, रामप्रसाद रानी ने पिंगला का अभिनय किया। इसी प्रकार राकेश कुमार ने अश्वपाल,भारत लाल ने नगर सेठ व दरबारी, रतन कुमार चन्द्रा,राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी राज्यमंत्री और राजकुमार ने दासी की भूमिकाएं अदा की। नक्कारा पर संदीप कुमार,आर्गन पर भैया लाल और भजन लाल ढोलक पर संगत की। इससे पूर्व कुमारी कुमकुम ने 'हम गोदैबे गोदना' तथा अन्य अवधी लोकगीतों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक सुशील कुमार राय ने सजल कुमार, सुजीत कुमार, विजय नंदन, राहुल कुमार, नेहारिका प्रधान, आंजल चौधरी, संजना पटेल, नीतू पटेल, कौशिकी त्रिपाठी आदि कलाकारों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया। संस्कार भारती के मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि कौशिकी त्रिपाठी ने भावनृत्य के साथ मंच रखे कैनवास पर शिवलिंग का सुन्दर बनाया। चित्रकला कलाकारों ने शिविर 'महेश्वर परिसर' का भूअलंकरण एवं जूट के माध्यम से आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया। डाङ्ग योगेन्द्र कुमार मिश्र 'विश्वबन्धु' ने संचालन किया।

गंगानगर के सोराव क्षेत्र में अपराधी हुए बेलगाम

घरवालों को बेरहमी से मारपीट कर लूटे गहने व नगदी

राहुल पाण्डेय
सबसे तेज प्रयागराज

गंगानगर। बीते मंगलवार की रात को गंगानगर के सोराव थाना अंतर्गत ग्राम भोतपुर में बेखौफ आधा दर्जन से अधिक बदमाशो ने मोहम्मद इलियास के घर में घुस कर तांडव किया। जहाँ पर बदमाशों ने पहले सभी घर वालों को बड़ी बेरहमी से लोहे की सरिये से पीटा फिर घर पर रक्खे हुए नगदी व गहने लेकर बड़ी आसानी से फरार हो गये। पीड़ित ने बताया की दस फरवरी को उनकी बेटी की शादी है जिसके लिए उन्होंने गहने और नगदी जमा करी थी जिसे लूटेरे लूट लेगये। पीड़ित ने बताया की उनकी बेटी के सिर पर जोरदार सरिया से प्रहार कर बदमाशों ने उसको मरणासन कर दिया। लुटेरों की पिटाई से मौजूदा समय में आधा दर्जन घरवाले घायल हुए है। आनन फानन में पीड़ित ने एक सौ बारह पर फोन कर सहायता मांगी जहाँ पर मौके पर पहुंचे पुलिस वालों ने पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल पीड़ित की तरफ से तहरीर थाने पर देदी गयी है पर मुकदमा अभी दर्ज नहीं हुआ है। संबंधित थाना सोराव के इंस्पेक्टर से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया। परन्तु सम्पर्क ना हो पाने के कारण मामले की अधिक जानकारी नहीं प्राप्त हो सकी।

शिविरों में मां सीता रसोई की ओर से चल रहा भण्डारा

सेक्टर -19 के मुक्ति मार्ग पर लगे बावला बाबा शिविर में विशाल अन्नक्षेत्र आज

पंजाब की प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर की ओर से चल रहा विशाल भण्डारा

अन्न से करनी है अधिक से अधिक लोगों की सेवाः मनप्रीत कौर

सबसे तेज प्रयागराज

महाकुंभ नगर। महाकुंभ में देश, विदेश के बड़ी संख्या में साधु - संतों का कल्पवास हो रहा है। इसमें ह्यमां सीता रसोईह्व का संचालन करने वालीं श्रीमहंत ज्ञान दास महाराज हनुमान गढी (अयोध्या) की सदप्रेरणा से संकटमोचन सेना महिला प्रकोष्ठ, पंजाब की अध्यक्ष, प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर (लुधियाना) उनकी सेवा में लगी हैं। वह महाकुंभ में अपनी टीम के साथ साधु, संतों और स्नानार्थियों की भण्डारों से सेवा कर रही है?? वह अलग - अलग शिविरों में जाकर मां सीता रसोई चला रही है। वह प्रतिदिन 15 से 20 हजार से ज्यादा साधु- संतों और स्नानार्थियों को भोजन प्रसाद उपलब्ध करा रही हैं।

आचार्य अंशुल पाराशर ने बताया कि महाकुंभ के सेक्टर-18 स्थित हरियाणा के चरखी दादरी आश्रम के पीठाधीश्वर दंडी स्वामी ब्रह्माश्रम महराज के शिविर में वरिष्ठ समाजसेवी मनप्रीत कौर मां सीता रसोई के माध्यम से अन्नक्षेत्र चलाकर संतों और स्नानार्थियों की सेवा कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सेक्टर-20 में स्थित अटल अखाड़ें में पहुंची और साधु-संतों को भोजन प्रसाद व दक्षिणा आदि वितरित की।

संकटमोचन सेना महिला प्रकोष्ठ, पंजाब की अध्यक्ष, प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर ने कहा कि वे कई वर्षों से अयोध्या और वृंदावन में "सीता की रसोई" चला रही हैं। जिनके माध्यम से वे धार्मिक स्थलों पर जा-जाकर इसी तरह साधु-संतों व निर्धनों-निराश्रितों की सेवा करती हैं।

उनका प्रयास रहता है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। उन्होंने बताया कि समाजसेवा करने से उन्हें बहुत संतुष्टि मिलती है।इसीलिए उनकी पूरी कोशिश रहती है, कि वे अधिक से अधिक लोगों की अन्न से सेवा कर सकें। प्रख्यात समाजसेवी मनप्रीत कौर ने बताया कि सीता रसोई की ओर से महाकुंभ में महाशिवरात्रि तक अन्नसेवा यथावत चलती रहेगी। उन्होंने बताया कि गुरुवार की दोपहर 12 बजे से बड़ी संख्या में संतों, स्नानार्थियों का विशाल भंडारा सेक्टर- 19 मुक्ति मार्ग बावला बाबा के आश्रम सानिध्य में धर्म सम्राट ज्ञान दास महाराज, संजय दास महाराज, हेमंत दास जी महाराज, तुलसी माता जी, फ्रांस से,शिवम भाई, समीर भाई की मौजूदगी में होगा।

अब बनने लगा है गांधी के सपनों का भारत

संपादक की कलम से

अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक लहर

1947 में बांग्लादेशियों को, पूर्व पाकिस्तानी होने के नाते, इस्लामी गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गरीब, तीसरे दर्जे का 'नागरिक' माना जाता था। अपने शोषण से तंग आकर, उन्होंने 1970-71 में पाकिस्तान को पूरी तरह से खारिज करते हुए अलग होने का फैसला किया। बाद के दशकों में कभी-कभार तनाव के बावजूद, वे मोटे तौर पर भारत के साथ जुड़े रहे - कुछ महीने पहले तक।

बांग्लादेश मेंअर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अनिर्वाचित अंतरिम 'शासकों' का एक समूह पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए बेताब है। उस पाकिस्तान से जिससे उनका देश केवल पांच दशक पहले हिंसक तरीके से अलग हुआ था। अपने स्वयं के (तत्कालिक) इतिहास के एक अजीब उलटफेर में, बांग्लादेशियों ने दक्षिण एशिया में एक स्वतंत्र, सम्प्रभु देश के रूप में अस्तित्व में रहने और कार्य करने में स्पष्ट रूप से असमर्थता दिखाई है।

तथ्यों पर गौर करेंः 1947 में बांग्लादेशियों को, पूर्व पाकिस्तानी होने के नाते, इस्लामी गणराज्य के पूर्वी हिस्से में गरीब, तीसरे दर्जे का 'नागरिक' माना जाता था। अपने शोषण से तंग आकर, उन्होंने 1970-71 में पाकिस्तान को पूरी तरह से खारिज करते हुए अलग होने का फैसला किया। बाद के दशकों में कभी-कभार तनाव के बावजूद, वे मोटे तौर पर भारत के साथ जुड़े रहे - कुछ महीने पहले तक। अपनी आजादी हासिल करने के लिए, उन्होंने क्रूर पाकिस्तानी सेना के खिलाफ संघर्ष करते हुए जान गंवाने के रूप में बहुत बड़ी कीमत चुकाई।

अब अचानक, 2025 में, डॉ. मोहम्मद यूनुस और उनकी टीम के नेतृत्व में कुछ बांग्लादेशियों ने फैसला किया है कि एक बार फिर से, वे पाकिस्तानियों के साथ रहना बेहतर समझेंगे! 5 अगस्त 2024 को अवामी लीग (एएल) के खिलाफ तख्तापलट के बाद, अचानक, भारत दक्षिण एशिया में आधिकारिक बांग्लादेशी राजनीतिक आख्यान में नया बांग्लादेशी विरोधी खलनायक बनकर उभरा है।

इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि भारत और यहां तक कि गैर-निवासी भारतीय जिनका भारत सरकार से कोई संबंध नहीं है, बांग्लादेश को परेशान करने वाली कई प्रणालीगत समस्याओं के लिए आलोचना का शिकार हो रहे हैं। इनमें द्विपक्षीय सौदों में बड़े व्यापार अंतर से लेकर अंतरराष्ट्रीय नदियों का सूखना और यहां तक कि आईएमएफ और विश्व बैंक के साथ अपने व्यवहार में बांग्लादेश के खिलाफ दबाव शामिल हैं! भारत विरोधी गुस्से के विस्फोट के लिए जो भी कारण हो, यूनुस के नेतृत्व वाले प्रशासन ने हाल ही में पाकिस्तान की शक्तिशाली खुफिया एजेंसी आईएसआई के प्रमुख की बांग्लादेश की विवादास्पद यात्रा को प्रायोजित किया, जिसकी प्रतिष्ठा बहुत अच्छी नहीं है। भारत-बांग्लादेश संबंधों में मौजूदा ठंड को देखते हुए, अधिकांश ढाका-आधारित टिप्पणीकारों/विश्लेषकों ने ढाका द्वारा दिल्ली को भेजे जा रहे मजबूत, अमित्र संकेतों पर टिप्पणी की है। आईएसआई का यह दौरा ढाका में पहले ही बहुत धूमधाम से घोषित किये जा चुके कुछ अन्य कदमों के मद्देनजर हुआ है। बांग्लादेश का कार्यवाहक शासन पाकिस्तान में शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार से दोस्ती करने की जल्दी में है।

इसने पाकिस्तानी आगंतुकों के लिए वीजा नियमों में पहले ही ढील दे दी है और उर्दू के प्रचार के लिए बांग्लादेश में और अधिक पाठ्यक्रमों की व्यवस्था कर रहा है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान और गठजोड़ को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नयी पाठ्य पुस्तकें, जिनमें दिवंगत शेख मुजीबुर रहमान, ताजुद्दीन अहमद या यहां तक कि जियाउर रहमान द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में निभाई गई भूमिका को शामिल नहीं किया गया है, छात्रों के बीच वितरित की जा रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्वाभाविक रूप से बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम में भारत की सहायक भूमिका और योगदान, रहमान की अवामी लीग को उसका समर्थन, भारत-पाक युद्ध के दौरान कम से कम 10,000 भारतीय सैनिकों की शहादत को कम महत्व दिया गया है।

संक्षेप में, अपने उतार-चढ़ाव भरे अस्तित्व के पहले पांच दशकों के भीतर, बांग्लादेश को पूरी तरह से अघोषित 'अधिकारियों' के एक समूह द्वारा अपने स्वयं के बहुत ही संक्षिप्त इतिहास को फिर से लिखने- और यहां तक कि उसे गलत साबित करने- के लिए मजबूर किया गया है। ऐसा तो पूर्व जनरल इरशाद के कार्यकाल में भी नहीं हुआ था, जिन्होंने देश में आभासी सैन्य शासन का दौर चलाया था। विश्लेषकों को यह चिंताजनक लगता है कि बांग्लादेश के वर्तमान 'अधिकारी' जो संवैधानिक रूप से किसी के प्रति उत्तरदायी नहीं हैं, अपने घरेलू कट्टरपंथी इस्लामवादी लॉबी को खुश करने के लिए अपने समकालीन इतिहास के सुप्रलेखित स्थापित तथ्यों को विकृत करने या दबाने से पीछे नहीं हटे हैं। यह जमाती समर्थक ताकतों का वह वर्ग है जो हमेशा पाकिस्तान के करीब रहा है, जो बांग्लादेश में उभरने वाले एक सख्त, शरीयत-प्रधान व्यवस्था के सपने संजोये हुए है।

अचानक मौसम में बदलाव कितना खतरनाक, कैसे रखें सेहत का ध्यान

सर्दियों के दिनों में कई बार मौसम का मिजाज बदलता रहता है. कड़ाके की ठंड के बीच कभी बारिश होने लगती है तो कभी तापमान बढ़ने लगता है. अचानक मौसम में बदलाव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है. मौसम में बदलाव से इम्यूनिटी कमजोर होने लगती है, जिससे व्यक्ति मौसमी बीमारियों की चपेट में आ जाता है. सर्दी-जुकाम, बुखार, गले में खराश जैसी समस्याएं बढ़ने लगती है. खासकर बच्चों और बुजुर्गों पर बदलते मौसम का अधिक प्रभाव पड़ता है. मौसम में बदलाव का असर सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक भी होता है. कई बार अचनाक से मूड में बदलाव हो जाता है और मानसिक रोगों से परेशान व्यक्ति प्रभावित होने लगते हैं.

बदलते मौसम का मानसिक स्थिति पर असर

मौसम में होने वाला बदलाव मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है. हाल ही में एक अध्ययन में पता चला है कि मौसम में बदलाव के कारण 5 में से 1 व्यक्ति मानसिक रूप से प्रभावित है. ऐसा इसलिए क्योंकि मौसम जैसे ही करवट लेता है तो कई लोगों का दिनचर्या बदलने लगता है. रात को कम नींद आती है और दिनभर व्यक्ति को थकान और कमजोरी महसूस होती है. ऐसे में नींद का पैटर्न बदलने लगता है, जिससे व्यक्ति चिड़चिड़ापन और झल्लाने लगता है. व्यक्ति का मूड तापमान पर निर्भर करता है.

अक्सर 30 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहने वाला तापमान अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें मूड नार्मल रहता है. इसमें व्यक्ति मानसिक रूप से ठीक रहता है. यही तापमान इससे अधिक होने लगता है तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति असंतुलित हो सकती है. इसके अलावा बदलते मौसम में दिल से जुड़ी समस्याएं , एनिमिया, पाचन संबंधि परेशानियां भी शुरू हो सकती है. बदलते मौसम में कुछ चीजों को अपनाकर इसके प्रभाव से बचा जा सकता है. आइए जानें.

सर्दियों में गर्म कपड़े पहनें

सर्दी के दिनों में बीमार पड़ने से बचने के लिए अपने कपड़ों का ध्यान रखना चाहिए. विशेषकर गर्म और ऊनी कपड़ें पहनना ना भूलें. कई बार बढ़ते तापमान को देखकर लोग सोचने लगते हैं कि ठंड अब जा रही है और वो गर्म कपड़े पहनना कम कर देते हैं, लेकिन बदलते मौसम में सर्दी फिर से कमबैक कर देती है. ऐसे में जो लोग गर्म कपड़े नहीं पहनते वो बदलते मौसम का शिकार बन जाते हैं. इसलिए शरीर को गर्म रखने के लिए जरूरी कपड़े पहनने चाहिए. यह बीमारियों से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है.

इसके अलावा सर्दियों में खानपान और दिनचर्या का भी ख्याल रखना जरूरी होता है. ठंड में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए गुनगुना पानी, हर्बल चाय, सूप और गर्म पेय पदार्थ पीना चाहिए. इससे इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है।

-ललित गर्ग -

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस जब हम नये भारत-सशक्त भारत को विकसित होते हुए देखते है तो प्रतीत होता है कि यह गांधी के ही सपनों का भारत बन रहा है। कांग्रेस की पूर्व सरकारों ने गांधी की केवल मूर्तियां स्थापित की, लेकिन भाजपा सरकार अपनी नीतियों में गांधी दर्शन को लागू कर रही है। गांधी के अहिंसा दर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न केवल देश में बल्कि दुनिया में स्थापित कर रहे हैं। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। महात्मा गांधी महानायक के रूप में ही नहीं, देवनायक के रूप में लोकतंत्र के मजबूत आधार एवं संकटमोचक है। संसद से लेकर सड़क तक, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और व्यक्ति से लेकर विचार बनने तक जीवन के हर नीति में, हर दृष्टिकोण में, हर मोड़ पर गांधी की व्याप्ति है। भारत का स्वतंत्रता संग्राम हो या फिर नये भारत की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिस्थितियां हमारी हर सोच में, हर क्रियाएं में, हर नीति में गांधी का होना यह दर्शा रहा है कि आज गांधी पूर्व सरकारों की तुलना में ज्यादा जीवंत बने हैं।

महात्मा गांधी के विचार एवं दर्शन पर ही मोदी सरकार की योजनाएं एवं नीतियां आगे बढ़ रही है। इस बात का खुलासा स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करते हुए कहा है कि उनके सबका साथ, सबका विकास के विचार की प्रेरणा 1980 के दशक की है। मोदी ने अपने हाथ से लिखे एक नोट्स में इस विचार के बारे में काफी पहले ही लिख दिया था। मोदी द्वारा लिखे गए नोट्स से पता चलता है कि महात्मा गांधी के आदर्शों ने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा है, जो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में भी स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ता है। जिसमें युवा मोदी ने महात्मा गांधी के विचारों उद्धरत कर-के लिखा था, मैं सबसे बड़ी संख्या की सबसे बड़ी भलाई के सिद्धांत में विश्वास नहीं करता। यह 51 प्रतिशत की अच्छाई के लिए 49 प्रतिशत की भलाई का त्याग करना है। यह सिद्धांत एक क्रूर सिद्धांत है। इसके माध्यम से मानवता को काफी नुकसान हुआ है। मानवता के लिए एक मात्र सिद्धांत है कि सभी के लिए भलाई के काम में विश्वास करना ॥ मोदी सरकार सभी की भलाई के लिये काम करते हुए गांधी दर्शन को ही आगे बढ़ा रही है।

मोदी का स्वच्छता मिशन गांधी की स्वच्छता सोच को ही आगे बढ़ाने का उपक्रम है। राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) भी गांधी के नाम पर चल रही योजना है। भारतीय मुद्रा से लेकर शासन-प्रशासन के हर कार्यस्थल पर गांधी है। हम गांधी के संवाद और सहिष्णुता के सिद्धान्तों को अपनाते हुए युद्ध, आतंकवाद और हिंसा को निस्तेज बना रहे हैं। दलित-आदिवासियों को न्याय और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदत्त कर रहे हैं तो भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान में जुटे हैं। भारत माता, गौ माता और गंगा माता के सांस्कृतिक एवं धार्मिक चिन्तन को आगे बढ़ाते हुए गांधी की मूल अवधारणा को ही आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। आज गांव, गरीब और स्वराज में गांधी की

ही सोच आगे बढ़ रही है कि आज भारत में लोकतंत्र की चाल, चेहरा और चरित्र बदला जा रहा है तथा आस्थाओं की राजनीति को बल देते हुए जाति-धर्म का उन्माद नियंत्रित किया जा रहा है। महात्मा गांधी, आंबेडकर और दीनदयाल उपाध्याय आज इसलिए भारत निर्माण की नई व्याख्याओं में सबसे आगे हैं। वसुधैव कुटुम्बकम एवं सर्वधर्म सद्भाव का विचार आज सर्वाधिक बलशाली बन कर दुनिया के लिये आदर्श बन गया है।

मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है। विचार-क्रान्तियां बहुत हुईं, किन्तु आचार-स्तर पर क्रान्तिकारी परिवर्तन कम हुए। शान्ति, अहिंसा और मानवाधिकारों की बातें संसार में बहुत हो रही हैं, किन्तु सम्यक्-आचरण का अभाव अखरता है। गांधीजी ने इन स्थितियों को गहराई से समझा और अहिंसा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। यदि अहिंसा, शांति और समता की व्यापक प्रतिष्ठा नहीं होगी तो भौतिक सुख-साधनों का विस्तार होने पर भी मानव शांति की नींद नहीं सो सकेगा। महात्मा गांधी के सच्चे उत्तराधिकारी के रूप में नरेन्द्र मोदी हमारे सामने हैं, उनके प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हम अब वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थो के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए हम गांधी को जीवंत बनाये हुए है, यही कारण है कि कभी हम स्कूलों में शोचालय की बात सुनते है तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाडू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए मोदी को देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते है तो कभी ॥मेक इन इंडिया॥ का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों गांधी के सपनों को आकार देकर सचमुच लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दिये जा रहे हैं।

हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। देश एवं दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, युद्ध, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं।

आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा, शांति, सह-जीवन, स्वदेशी का समर्थन करते हैं। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है।

आज जबकि समूची दुनिया में संघर्ष की स्थितियां बनी हुई हैं, हर कोई विकास की दौड़ में स्वयं को शामिल करने के लिये लड़ने की मुद्रा में है, कहीं सम्प्रदाय के नाम पर तो कहीं जातीयता के नाम पर, कहीं अधिकारों के नाम पर तो कहीं भाषा के नाम पर संघर्ष हो रहे हैं, ऐसे जटिल दौर में भी संघर्षरत लोगों के लिये गांधी का सत्याग्रह ही सबसे माकूल हथियार नजर आ रहा है। पर्यावरणवादी हों या अपने विस्थापन के विरुद्ध लड़ रहे लोग, सबको गांधीजी से ही रोशनी मिल रही है। गांधी की अहिंसा से सहयोग, सहकार, सहकारिता, समता और समन्वय जैसे उत्तम व उपयोगी मानवीय मूल्य जीवन्त हो रहे हैं। समस्त समस्याओं का समाधान भी एक ही है, वह है-अहिंसा। अहिंसा व्यक्ति में ॥वसुधैव कुटुम्बकम्॥ की विराट भावना का संचार करती है। मनुष्य जाति युद्ध, हिंसा और आतंकवाद के भयंकर दुष्परिणाम भोग चुकी है, भोग रही है और किसी भी तरह के खतरे का भय हमेशा बना हुआ है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए गांधी से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता।

महू से संविधान-रक्षा की निर्णायक लड़ाई

मध्यप्रदेश के इंदौर के निकट स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू से कांग्रेस ने संविधान की रक्षा की निर्णायक लड़ाई छेड़ दी, जब सोमवार को आयोजित एक विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने देश की मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों का व्यापक चित्रण करते हुए चेताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दलितों, आदिवासियों, एवं कमजोर वर्गों के हक को मार रही है।

वंचितों के लिये संविधान के महत्व को समझाते हुए राहुल ने बतलाया कि जिस दिन देश का संविधान खत्म हो जायेगा उस दिन इन वर्गों के लिये कुछ भी नहीं बचेगा। वैसे तो कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की लड़ाई पिछले कुछ समय से कई-कई मोर्चों पर और अनेक स्वरूपों में छेड़ रखी है, लेकिन महू की सभा में राहुल ने जिस स्पष्टता व व्यापकता से संविधान की अहमियत प्रतिपादित की तथा उस पर छाये संकटों का ब्यौरा दिया, उसके चलते उम्मीद की जा सकती है कि कांग्रेस का संदेश इन वर्गों तक ही नहीं वरन समग्र समाज तथा देश को समझ में आयेगा कि किस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संविधान को समाप्त कर लोक अधिकारों का सम्पूर्ण खात्मा करना चाहती है।

इस सभा में 'जय बापू जय भीम जय संविधान' का जो नारा दिया गया है वह कोई रातों-रात गढ़ा गया अथवा एकाएक सोची गयी थीम न होकर एक वैचारिक प्रक्रिया से निकली हुई यह सोद्देश्य लड़ाई है। याद हो कि राहुल ने 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से लगभग चार हजार किलोमीटर का दक्षिण से उत्तर की ओर पैदल मार्च किया था और जिसका समापन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी, 2023 को हुआ था, उसे 'भारत जोड़ो यात्रा' का नाम दिया गया था। वह देश में नफरत के खिलाफ मोहब्बत की यात्रा थी। साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये निकली उस यात्रा के दौरान अनेक मुद्दों पर राहुल चर्चा करते दिखे जिसमें यह तथ्य सामने आया कि भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक खास एजेंडे के तहत देश में ऐसा माहौल बना रही है। एक ओर तो वह हिन्दू-मुस्लिमों को लड़ा रही है तो वहीं वह दूसरी ओर अगड़ों-पिछड़ों के बीच खाई को चौड़ा करने के बड़े षडयंत्र और कुचक्र रच रही है।

जैसे-जैसे यह यात्रा बढ़ी तो लोगों को यह बात स्पष्ट होने लगी कि इसके पीछे का असली खेल देश के सारे संसाधन मुी भर कारोबारियों को सौंप देने का है। लाभकारी सार्वजनिक उपक्रम दो बड़े व्यवसायियों के हाथों में देने के दुष्परिणाम ये हैं कि देश में गरीबी, बेकारी और बेहाली छाई है। शिक्षा व स्वास्थ्य सहित सारे जनहित के कार्य ठप पड़े हैं और धर्म व जाति के जरिये भाजपा केवल ध्रुवीकरण में व्यस्त है।

विपक्षी दलों सहित सभी तरह की विरोध व असहमतियों की आवाजों को सरकार दबा रही है। आर्थिक शक्तियों पर आधिपत्य करने के लिये भाजपा व उसकी केन्द्र सरकार राजनीतिक ताकत को अपनी मुी में ले चुकी है। यह कार्य आसानी से करने के लिये ही उसने सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त कर दिया है। इसलिये जब राहुल गांधी ने उस यात्रा का सीक्वल हाई ब्रीड (पैदल व वाहन के जरिये) के रूप में मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 से प्रारम्भ कर दो माह बाद मुम्बई में समाप्त किया, तो उसे 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' नाम दिया गया जो समय की आवश्यकता एवं समय के अनुरूप ही था। सामाजिक सौहार्द्र की लड़ाई को कांग्रेस ने केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक व आर्थिक न्याय की लड़ाई के रूप में भी बड़ा विस्तार दिया।

लोकसभा के लिये पिछले साल के मध्य में हुए चुनाव में भाजपा ने जो '400 पार' का नारा दिया था उससे एक तरह से संविधान को पहला बड़ा और साफ खतरा उभरकर आया। वैसे तो पहले से यह दिख रहा था कि भाजपा व संघ की पसंद भारत का संविधान नहीं वरन मध्ययुगीन संहिता मनुस्मृति है। कई मौकों पर वह संविधान को कोसती आई थी। उसके कई नेता तथा चुनावी प्रत्याशी उसे बदलने की मंशा जतला चुके थे। वे यह कहकर वोट मांग रहे थे कि 'मोदी को 400 सीटें चाहिये क्योंकि संविधान को बदलना है।' इस बात को कांग्रेस व उसके नेतृत्व में बने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के साथ जनता ने भांप लिया जिसके कारण भाजपा की सीटें इतनी घट गयीं कि मोदी को तेलुगु देसम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के समर्थन से सरकार बनानी पड़ी। वैसे तो आरोप हैं कि तकरीबन 80 सीटों पर ईवीएम के जरिये हेर-फेर हुआ है। बहरहाल, भाजपा के मंसूबे ध्वस्त होने का परिणाम यह हुआ; और भाजपा को संविधान की ताकत का एहसास भी हो गया कि उसे संविधान के आगे सिर झुकाना पड़ा।

गणतंत्र @75 : कुछ इशारे !

- राजेन्द्र शर्मा

राष्ट्रपति को अपनी ओर से कुछ नया तर्क जोड़ना ही चाहिए, इस तरह की मांग को तो शायद ज्यादती भी कहा जा सकता है, हालांकि ऐसा होना इस नारे के पक्ष में तर्कों के सतहीपन को जरूर दिखाता है। खैर! असली बात यह है कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में राष्ट्रपति का पद, 'अपनी सरकार' के 'परामर्श' से जिस तरह बंधा हुआ है, उसे देखते हुए राष्ट्रपति के अपनी सरकार के किसी फैसले का बचाव करने को किसी भी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता।

बेढब तो है, पर हैरान नहीं करता है कि गणतंत्र की पूर्व-संध्या पर अपने परंपरागत संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक देश, एक चुनाव' का जी भरकर गुणगान किया। उन्होंने इसे अपनी सरकार का 'साहसपूर्ण दूरदर्शिता' का प्रयास ही करार नहीं दिया, यह दावा भी किया कि इससे 'सुशासन को नये आयाम' दिए जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने इस दूरदर्शी साहस के लाभों का बखान करते हुए कहा कि एक देश एक चुनाव की व्यवस्था से 'शासन में निरंतरता को बढ़ावा मिल सकता है, नीति निर्धारण से जुड़ी निष्क्रियता समाप्त की जा सकती है, संसाधनों के अन्यत्र खर्च हो जाने की संभावना कम हो सकती है तथा वित्तीय बोझ को कम किया जा सकता है। इसके अलावा जनहित में अनेक अन्य लाभ हो सकते हैं।' यहां हम 'एक देश, एक चुनाव' के प्रोजेक्ट के गुण-दोष की बात नहीं कर रहे हैं। यह दूसरी बात है कि राष्ट्रपति के इस प्रोजेक्ट के गुणों के बखान में एक भी ऐसे तर्क का न होना थोड़ा निराश तो जरूर करता है, जो तर्क इस नारे के उछाले जाने के बाद से इसके पक्ष में पहले ही नहीं सुना जा चुका हो। तमाम चुनाव एक साथ कराए जाने से संसाधनों की बचत, नीति निर्धारण में चुनाव संबंधी पाबंदियों के चलते पड़ने वाली बाधाओं से उबरना, शासन में निरंतरता में बढ़ोतरी, आदि सब वही तर्क हैं जो बिना किसी ठोस साक्ष्य के और वास्तव में बिना किसी ठोस तर्क के भी, इतनी बार दोहराए गए हैं कि सुन-सुनकर कान पक गए हैं। फिर भी राष्ट्रपति को अपनी ओर से कुछ नया तर्क जोड़ना ही चाहिए, इस तरह की मांग को तो शायद ज्यादती भी कहा जा सकता है, हालांकि ऐसा होना इस नारे के पक्ष में तर्कों के सतहीपन को जरूर दिखाता है। खैर! असली बात यह है कि हमारी संवैधानिक व्यवस्था में राष्ट्रपति का पद, 'अपनी सरकार' के 'परामर्श' से जिस तरह बंधा हुआ है,

उसे देखते हुए राष्ट्रपति के अपनी सरकार के किसी फैसले का बचाव करने को किसी भी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता है। जहां तक एक देश एक चुनाव के प्रोजेक्ट का सवाल है, उस पर राष्ट्रपति मुर्मू की 'सरकार' अंततः अपने अनुमोदन की मोहर ही नहीं लगा चुकी है, वह दो विधेयकों के रूप में इससे संबंधित संशोधन प्रस्तावों को पिछले ही सत्र में संसद में पेश भी कर चुकी है। और इन विधेयकों को और विचार के लिए, संयुक्त संसदीय समिति के सामने भेजा भी जा चुका है।

फिर भी, राष्ट्रपति द्वारा 'एक देश एक चुनाव' का जोर-शोर से ढोल पीटे जाने में कानूनी व्यवस्थाओं के तकनीकी पहलू से चाहे कुछ भी गलत नहीं हो, फिर भी संवैधानिक नैतिकता के पहलू से इसके समस्यापूर्ण होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। अव्वल तो यह सरकार के एक ऐसे फैसले का राष्ट्रपति द्वारा ढोल पीटे जाने का मामला है, जिस पर देश तथा जनमत के पूरी तरह से बंटे होने से किसी भी तरह से इंकार नहीं किया जा सकता है। पूर्व-राष्ट्रपति की अध्यक्षता में गठित उच्चाधिकार-प्राप्त समिति के अंततः अपनी सिफारिशें देने से पहले उसे उक्त प्रस्ताव के पक्ष और विपक्ष में देश की जितनी राजनीतिक पार्टियों की राय मिली थी, उस पर एक नजर भर डालने से ही, इस मुद्दे पर जनमत के गंभीर रूप से विभाजित होने का सच सामने आ जाता है। वास्तव में यह सच भी किसी से छुपा हुआ नहीं है कि इस परियोजना के पीछे मुख्य संचालक, सत्ताधारी भाजपा ही है, हालांकि उसके लिए अपने सहयोगी दलों को घेर-बटोरकर इस प्रोजेक्ट के पक्ष में करना भी मुश्किल नहीं हुआ है।सच तो यह है कि साथ-साथ चुनाव संबंधी विधेयकों का विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाना भी, इस मामले पर विचारों की व्यापक भिन्नता को ही दिखाता है। यह संयोग ही नहीं है कि मोदी के तीसरे कार्यकाल में यह दूसरा ही मौका है, जब किसी विधेयक को विस्तृत विचार-विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा गया है। इस सिलसिले में यह याद दिलाना भी अप्रासंगिक नहीं होगा कि इस प्रोजेक्ट को अमल में लाने के लिए किए प्रस्तावित संशोधनों में, कई संविधान संशोधन भी शामिल हैं। दूसरे शब्दों में यह ऐसा प्रस्ताव है, जो वर्तमान रूप में संविधान की व्यवस्थाओं के खिलाफ जाता है। ऐसे मामले में राष्ट्रपति के सरकार के फैसले के अनुमोदन के लिए दौड़ पड़ने की जल्दबाजी कम से कम बेढब तो जरूर ही कही जाएगी। हालांकि, इस संभावना को काल्पनिक ही कहा जाएगा, फिर भी बहस के लिए अगर हम यह मान लें कि संसद के सामने विचाराधीन संशोधन, विफल हो जाते हैं, तो एक देश एक चुनाव की राष्ट्रपति की इस जोरदार पैरवी का क्या होगा? याद रहे कि इस पैकेज में शामिल संविधान संशोधन के प्रस्तावों का, संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित होना, वैसे भी बहुत मुश्किल है। साफ है कि राष्ट्रपति हर एक लिहाज समस्यापूर्ण परियोजना के साथ अपना नाम जोड़ने की हड़बड़ी दिखा रही थीं। वह भी तब जबकि यह गणतंत्र दिवस की पूर्व-संध्या में राष्ट्रपति के परंपरागत किंतु समारोही संबोधन का मामला था। कम से कम ऐसे संबोधन में राष्ट्रपति के अक्षरशः अपनी सरकार के लिखे को पढ़ने की मजबूरी नहीं होनी चाहिए। कम से कम नकारात्मक विवेक का उपयोग कर, राष्ट्रपति सरकार के विशेष रूप से

ऐसे विवादास्पद तथा संसदीय प्रक्रियाधीन प्रोजेक्ट का ढोल पीटने से तो खुद को अलग रख ही सकती थीं। बेशक, राष्ट्रपति के इस अभिभाषण में एक यही चीज विवादास्पद नहीं थी। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने 'अपनी सरकार' की गरीबी तथा भुखमरी से देश और लोगों को उबारने की 'उपलब्धियों' के अतिरंजित दावे तो किए ही, इसके साथ ही उन्होंने तथाकथित 'औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों' से उबरने के प्रयास के रूप में तीन नयी फौजदारी संहिताओं का भी जिक्र किया। और इस सब के ऊपर से कुंभ के आयोजन के बहाने से इसका भी दावा किया कि 'हमारी सांस्कृतिक विरासत के साथ हमारा जुड़ाव और अधिक गहरा हुआ है।' राष्ट्रपति के इन सभी दावों पर विवाद हो सकता है। लेकिन, गणतंत्र दिवस के समारोही मौके पर कम से कम 'एक देश, एक चुनाव' के कर्कश विवाद में न पड़ने का विवेक राष्ट्रपति को और उन्हें इस विवाद में न धकेलने का विवेक मोदी सरकार को दिखाना चाहिए था। लेकिन, दोनों ने ही ऐसे विवेक का प्रदर्शन नहीं किया, जो अपने 75 वर्ष पूरे करने के मौके पर भारतीय गणराज्य की दशा-दिशा की ओर एक कठोर इशारा है। वास्तव में ऐसा ही एक और इशारा खुद भारतीय गणतंत्र के 75साल पूरे होने को लेकर किया गया है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने को लेकर जैसा समारोही जोश शासन में दिखाई दिया था, उसका सौवां हिस्सा भी गणतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने को लेकर नहीं दिखाई दिया। इस मौके पर हर साल की तरह, गणतंत्र दिवस परेड का आयोजन ही पर्याप्त समझा गया। वास्तव में गणतंत्र दिवस को काफी हद तक, मोदी के राज में शुरू किए गए 25 नवंबर की 'संविधान दिवस' ईवेंट से प्रतिस्थापित किया चुका है। इसीलिए, संविधान के स्वीकार किए जाने के (लागू होने के नहीं) 75 साल पूरे होने का तो संसद के विशेष सत्र से और उसके बाद संसद के शीतकालीन सत्र में संविधान के 75 वर्ष पर विशेष बहस से जोर-शोर से पालन किया गया, लेकिन गणतंत्र के 75 साल होने का विशेष रूप से पालन करने की जरूरत महसूस नहीं की गयी। लेकिन क्यों? वर्तमान सत्ताधारियों को गणतंत्र दिवस से समस्या यह भी लगती है कि स्वतंत्र भारत के संविधान के लागू किए जाने के लिए, 26 जनवरी का ही दिन इसलिए चुना गया था कि राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में कांग्रेस के पूर्ण स्वराज की मांग स्वीकार करने के बाद, 26 जनवरी का ही दिन 'पूर्ण स्वराज दिवस' के रूप में मनाने के लिए चुना गया था और उसके बाद 1947 में 15 अगस्त को भारत को स्वतंत्रता मिलने तक, हर साल 26 जनवरी का ही दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा था।

मौनी अमावस्याः लगभग 7 करोड़ ने किया संगम स्नान

महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का जनसमूह, करोड़ों श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में लगाई पावन डुबकी

सीएम योगी ने संतों, साधकों और श्रद्धालुओं को दी मौनी अमावस्या की बधाई और शुभकामनाएं

महाकुम्भ नगर

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतो, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान मंगलवार को नए शिखर पर पहुंच गया। मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के दिन 7 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाई। यह महाकुम्भ में स्नानार्थियों की एक दिन में सर्वाधिक संख्या है। इसके साथ ही, महाकुम्भ में अब तक करीब 20 करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया है। इससे पहले रविवार और सोमवार को भी 3 करोड़ से ज्यादा लोगों ने त्रिवेणी संगम में पावन स्नान किया था। योगी सरकार का अनुमान है कि मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ और पूरे महाकुम्भ में 45 करोड़ से ज्यादा स्नान करेंगे। मंगलवार को रात 12 बजे तक 4.83 करोड़ लोगों ने स्नान कर लिया। यह अब तक की सर्वाधिक संख्या है। इससे पूर्व मकर संक्रांति पर 3.5 करोड़, पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़, इसी रविवार को 1.74 करोड़ तो सोमवार को 1.55 करोड़ लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

सीएम योगी ने दी मौनी अमावस्या की बधाई और शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश भर के श्रद्धालुओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'सनातन आस्था के महापर्व महाकुम्भ-2025 में मौनी अमावस्या के महाव्रत में शामिल होने वाले सभी पूज्य संतों, साधकों एवं श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन एवं प्रदेश वासियों को मौनी अमावस्या की शुभकामनाएं।

दिव्य-भव्य-डिजिटल महाकुम्भ 2025 प्रयागराज में 'अमृत स्नान' के महापुण्य को प्राप्त करने के लिए पधारे सभी साधु-संत गण, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का हृदय से अभिनंदन

बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा संगम में लगाएंगे आस्था की डुबकी

महाकुम्भ नगर/ब्यूरो। प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ मेले में श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी है। श्रद्धालुओं के साथ देश-विदेश से वीआईपी भी संगम स्नान के लिये पहुंच रहे हैं। प्रयागराज में विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक समागम महाकुम्भ 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा पर स्नान से शुरू हो गया है। 26 फरवरी तक महाकुम्भ चलेगा। जानकारी के अनुसार, बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा 28 जनवरी रात आठ बजे प्रयागराज पहुंचेंगे। 29 जनवरी प्रातः 6 बजे वह संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे।

बताते चलें, उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने मंत्रियों और अधिकारियों को देशभर में ?कुम्भ में पधारने का निमंत्रण देने के लिये भेजा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र और दिल्ली में गणमान्य व्यक्तियों को स्वयं निमंत्रण देने गये थे।

बीती 12 दिसम्बर को यूपी सरकार के दो मंत्री राकेश सचान और दयाशंकर सिंह ने पटना पहुंचकर को बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को महाकुम्भमें आने का निमंत्रण दिया था।

कृषकों के हर सवालों के देंगे जवाब और आय को करेंगे दोगुनीः डॉ. आरके यादव

कानपुर/ब्यूरो। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत कृषकों को बेहतर बागवानी और आय को दोगुनी करने के उद्देश्य से देश भर के तमाम कृषि केंद्रों में निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव और उनकी टीम ने फिरोजाबाद स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इन कृषि केन्द्रों के जरिए किसानों को हर सवालों का जवाब मिल जाएगा जिससे उनकी आमदनी में बढोत्तरी होगी।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव एवं उनकी टीम द्वारा फिरोजाबाद स्थित कृषि विज्ञान केंद्र का निरीक्षण किया गया। निदेशक प्रसार ने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंद्र पर कराए जा रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सजीव इकाइयों को सुद्रण रखें। जिससे कि किसान भाइयों को उनकी आवश्यकतानुसार प्रयोगात्मक तरीके से प्रशिक्षण दिया जा सके। जनपद की जलवायु एवं मिट्टी के अनुकूल फसलों की प्रजातियां का चयन कर फसल उत्पादन बढ़ाए। इस दौरान केंद्र पर व कृषकों के प्रक्षेत्र पर कराए गए आलू की प्रजातियों के प्रदर्शनों को देखा तथा कृर्षकों से जानकारी भी प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय आरकेवीवाई परियोजना के नोडल अधिकारी डॉ. वीके कनौजिया द्वारा आरकेवीवाई योजना अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्य का अवलोकन किया। साथ ही केंद्र के प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। केंद्र के प्रभारी डॉ. ओमकार यादव ने अतिथियों को केंद्र द्वारा कृषक हित में चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस दौरान केंद्र के पूर्व अध्यक्ष डॉ. तेज प्रकाश, डॉ. जितेंद्र सिंह यादव, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. नौशाद आलम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अफसरों ने किया गश्त, मातहतों को दिया दिशा निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। महाकुम्भ-2025 के अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व एवं निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा जनपद से होकर जाने वाले यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित कराया जा रहा है। बुधवार को सुबह से ही पुलिस अधीक्षक भ्रमणशील रहे। जनपद के बॉर्डर पर लगे बैरियर व मोर्चों पर नियुक्त पुलिस कर्मियों द्वारा लगातार की जा रही सघन चेंकिग एवं डाइवर्जन पॉइंट का निरीक्षण भी किया गया।जिलाधिकारी मधुशूदन हुल्गी के साथ थाना सैनी अन्तर्गत श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु बनाए गए होल्डिंग, पार्किंग एरिया एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए होटल ढाबों का निरीक्षण किया गया। श्रद्धालुओं के खाने पीने और मेडिकल व्यवस्था आदि का जायजा लिया गया। श्रद्धालुओं से उनका कुशल क्षेम भी पूछा गया तथा सर्वसंबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसी प्रकार अपर पुलिस अधीक्षक सहित समस्त क्षेत्राधिकारी द्वारा निरंतर भ्रमणशील रहते हुए डायवर्जन पॉइंट में लगे पुलिस बल एवं अन्तर्जनपदीय बॉर्डर पर बैरियर लगाकर व मोर्चा बनाकर सघन चेकिंग करने वाली पुलिस टीम को चेक कर दिशा निर्देश दिया गया।श्रद्धालुओं की महाकुम्भ की यात्रा सकुशल निर्विघ्न सम्पन्न कराई जा रही है। जनपद के थाना क्षेत्र में भ्रमण, पैदल गश्त और ड्रोन के माध्यम से अन्तर्जनपदीय बॉर्डर, डायवर्जन पॉइंट सहित विभिन्न स्थानों की लगातार निगरानी की गई।

दुष्कर्म और हत्या मामले में दो दोषियों को उम्रकैद

हमीरपुर/ब्यूरो। जंगल में लकड़ियां लेने गई महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या करने के दो साल पुराने मामले में अपर जिला सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम मनोज कुमार की अदालत ने मंगलवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने दो दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 60 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुमार्ना अदा न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विशंभर पाल व महेश द्विवेदी ने बताया कि मझगवां थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पति ने 2 जनवरी 2023 को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि उसकी पत्नी (मृतका) एक जनवरी की दोपहर दो बजे घर से लकड़ी लेने जंगल गई थी। शाम को जब वह घर वापस नहीं आई तो परिजन उसे खेत व जंगल में इधर-उधर खोजते रहे। दूसरे दिन सुबह करीब 11 बजे गांव के जंगल में उसकी पत्नी का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। उसी दिन उसके गांव के करन सिंह ढीमर, गुगवारा निवासी रामप्रकाश खंगार को लेख सिंह व चंद्रशेखर ने भागते हुए देखा।

जो उसी दिन से फरार हैं। उसे शक है कि उसकी पत्नी की हत्या इन्हीं लोगों ने मिलकर की है, क्योंकि करन सिंह उसकी पत्नी पर गलत नजर रखता था। उन्हें गांव के लोगों ने जंगल में जाते हुए देखा था। पुलिस ने दोनों लोगों के खिलाफ हत्या व दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आरोप पत्र 3 मई 2023 को कोर्ट में पेश किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर दोषी करन ढीमर व रामप्रकाश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

मनुष्य के शरीर में भी होता है गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी का संगम :्ग्लेशियर बाबा

महाकुम्भनगर/ब्यूरो। प्रयागराज महाकुम्भ में हिमालय से आये योगी चैतन्य उर्फ ग्लेशियर बाबा का कहना है कि प्रत्येक मनुष्य के शरीर के भीतर ही गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी का संगम होता है।

ग्लेशियर बाबा ने हिन्दुस्थान समाचार से अमृत स्नान के यौगिक रहस्य की चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी के शरीर में इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना यह तीन नाड़ियां होती हैं। इड़ा नाड़ी चन्द्रमा की व पिंगला सूर्य की सुषुम्ना शिव की नाड़ी होती है। चन्द्र नाड़ी व्यक्ति को मां गंगा से जोड़ती है। शिव जी की जटाओं में चन्द्रमा के पास ही मां गंगा विराजमान हैं।

भारत के राष्ट्रपति मोदी एवं प्रधानमंत्री योगी बन जाएं तो विश्व में सनातन धमार्नुयायी प्रखर व प्रबल होंगे : शंकराचार्य वासुदेवानंद

महाकुम्भ नगर/ब्यूरो।

महाकुम्भ में जोशीमठ शिविर में आए हुए हजारों श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री मोदी को भारत देश का राष्ट्रपति व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी को देश का प्रधानमंत्री बना दिया जाए तो विश्व भर में फैले हुए सनातन धमार्नुयायी प्रखर व प्रबल हो जाएंगे।

सनातन धर्म के समर्थक राष्ट्र भी खुलकर भारत के साथ खड़े हो जाएंगे तथा भारत भी एक पूर्ण शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व में स्थापित हो जाएगा। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में मां गंगा, यमुना व सरस्वती के पावन त्रिवेणी तट पर वर्तमान महाकुम्भ का भव्य व दिव्य मेले का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति व निर्णय तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मजबूती से दृढ़ इच्छा शक्ति द्वारा उसका क्रियान्वयन व पालन ही महाकुम्भ मेला की सफलता का सबसे बड़ा कारण है। इन दोनों ने अपनी चेष्टा से सनातन धर्म, सनातन राष्ट्र, भारत की विश्वसनीयता व गौरव पूरी दुनिया में बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि यह सब संत महात्माओं के आशीर्वाद से ही सम्भव हो पाएगा।

प्रवक्ता ओंकारनाथ त्रिपाठी ने बताया कि शंकराचार्य के शिविर में प्रतिदिन प्रातः 7 से 12 बजे तक मानस मर्मज्ञ संगीतकार राधे मोहन द्वारा रामचरितमानस का संगीतमय पाठ श्रद्धालु भक्तों के साथ करते हैं। ज्योतिषपीठ महाविद्यालय के पूर्व आचार्य पंडित शिवार्चन उपाध्याय, व्यास दंडी स्वामी विनोदानंद महाराज, प० विपिन शास्त्री, प० रामजी त्रिपाठी सहित विभिन्न विद्वान संत मंच पर उपस्थित रहते हैं।

मुख्यमंत्री के सलाहकार की मां का पर्स चोरी, अकाउंट से निकले एक लाख रुपए

लखनऊ/ब्यूरो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी की मां का पर्स चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने उनके अकाउंट से एक लाख रुपये भी निकाले हैं।

पुलिस के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी के सलाहकार अवनीश अवस्थी की मां उषा अवस्थी सोमवार को अपने निजी काम से पुलिस लाइन गई थी। वहां पर किसी ने उनका पर्स चुरा लिया गया। पर्स में 10 हजार रुपये कैश, एटीएम कार्ड, घर की चाबियां और जरूरी कागजात थे। थोड़ी देर बाद उनके एकाउंट से दस-दस हजार रुपये करके एक लाख रुपये निकालने का मैसेज भी मिला। पीड़ित ने बैंक में सूचना देकर अपना एटीएम कार्ड को ब्लॉक करवाया है।

हजरतगंज कोतवाली में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। मामले की विवेचना महानगर थाना में स्थानांतरित कर दी गई है।

95 बटालियन सीआरपीएफ एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में चला बृहद स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली का आयोजन

वाराणसी :- मौनी अमावस्या के पूर्व संध्या पर सृजन सामाजिक विकास न्यास 95 बटालियन सीआरपीएफ एवं नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में चला बृहद स्वच्छता अभियान एवं जागरूकता रैली जिसके मुख्य अतिथि 95 बटालियन सीआरपीएफ के कमान्डेंट राजेस्वर बालापुर कर ,विशिष्ट अतिथि नगवां पार्षद रबिंद्र सिंह,अध्यक्षता सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड अंबेसेडर तथा नगर निगम के ब्रांड अंबेसेडर अनिल कुमार सिंह ने सभी को स्वच्छता जागरुकता पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण की शपथ दिलाकर अभियान की शुरूआत कराई रैली संत रविदास घाट से लेकर असि घाट होते हुए तुलसी घाट तक जन को स्वच्छता हेतु जागरुक करते हुए सभी दर्शनार्थियो,पन्डा पुजारियों एवं निविको को भी मां गंगे को स्वच्छ रखने हेतु जागरुक किया गया स्वच्छ काशी सुन्दर काशी हरित काशी जिसमें मुख्य रूप से पीआरओ प्रवीण सिंह,विजय केजरीवाल,सौरभ पटेल,नगर निगम के स्वच्छता सुपरवाइजर सीआरपीएफ के जवान नगर निगम के स्वच्छता कर्मचारियों ने अपनी अपनी भागीदारी निभाई` नगर निगम के इन्स्पेक्टर वी आनन्द की पूरी टीम ने सहयोग किया`

सभी घाटों पर पुष्प वर्षा करीई गई

महाकुम्भ नगर/ब्यूरो।

महाकुम्भ में मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर योगी सरकार ने श्रद्धालुओं के अनुभव को यादगार बनाने के लिए विशेष तैयारी की है। इस अमृत स्नान पर्व पर श्रद्धालुओं पर आसमान से गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्प वर्षा की जाएगी। अनुमान जताया जा रहा है कि मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान करेंगे। पुष्प वर्षा का यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए अद्वितीय अनुभव और उत्साह का संचार करेगा और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और उत्साह को नई ऊंचाई देगा। श्रद्धालु इस अनोखे अनुभव को देखने और महसूस करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मौनी अमावस्या के इस पावन पर्व पर 10 करोड़ श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जाएगी। इसके लिए लगभग 25 कुंतल गुलाब के पंखुड़ियों की व्यवस्था की गई है। उपनिदेशक उद्यान, प्रयागराज मंडल कृष्ण मोहन चौधरी ने बताया कि श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 5 कुंतल अतिरिक्त गुलाब की पंखुड़ियां भी तैयार रखी गई हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुष्प वर्षा की संख्या बढ़ाया जा सके।

--सभी घाटों पर 5-6 बार होगी पुष्प वर्षा

महाकुम्भ में पुष्प वर्षा के प्रभारी उद्यान वीके सिंह ने बताया कि पूरे आयोजन के दौरान सभी घाटों पर दिन भर 5 से 6 राउंड पुष्प वर्षा की जाएगी।

स्काईप्रो, प्लेबॉक्स टीवी के साथ साझेदारी में बीएसएनएल ने लॉंच किया आईएफटीवी प्लेटफॉर्म

एजेंसी

मुंबई। सरकारी दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने स्काईप्रो और ओटीटी पार्टनर प्लेबॉक्स टीवी की साझेदारी में आईएफटीवी प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की है। बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक (महाराष्ट्र) एच के मक्कड़ ने कल शाम पुणे में लॉन्च कार्यक्रम में कहा, 'आईएफटीवी लॉन्च करने के लिए स्काईप्रो और प्लेबॉक्स टीवी के साथ यह सहयोग हमारे ग्राहकों, खासकर ग्रामीण भारत के लिए एक बड़ा बदलाव है।' एक बयान में कहा गया है कि यह प्लेटफॉर्म भारत में 550 से अधिक लाइव टीवी चैनल और प्रीमियम ओटीटी ऐप पेश करेगा। साझेदारी के तहत, बीएसएनएल अपने नेटवर्क के साथ पूरे भारत में ग्राहकों के लिए सामग्री तक पहुंच को सक्षम बनाता है। स्काईप्रो, आईएफटीवी की प्रौद्योगिकी रीढ़ के रूप में, सामग्री वितरण सुनिश्चित करता है जबकि प्लेबॉक्स टीवी विविध मनोरंजन वरीयताओं को पूरा करने के लिए प्रीमियम सामग्री का एक क्यूरेटेड चयन लाता है। बयान में कहा गया है कि भारत के शहरी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में 40 लाख से अधिक एफटीटीएच ग्राहकों के साथ, बीएसएनएल अब अपने सभी ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के प्रीमियम टीवी और ओटीटी ऐप तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

नौकरियों के सृजन, कौशल विकास के साथ महंगाई पर हो काबू करने के उपायः मजूमदार

नयी दिल्ली। डेलॉयट की अर्थशास्त्री डॉ. रुमकी मजूमदार ने आम बजट की तैयारियों के बीच सरकार से महंगाई को काबू में करने के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर व्यय बढ़ाने के अतिरिक्त नौकरियों के सृजन और कौशल विकास पर जोर दिये जाने की अपील की है। सुश्री मजूमदार ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि श्रम-प्रधान विनिर्माण क्षेत्रों या ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने वाले कपड़ा, जूते और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहनों पर जोर दिया जाना चाहिए। प्रौद्योगिकी से जुड़े नवाचारों को संभव बनाने के लिए संसाधन आवंटित करें जिससे अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में मदद मिलने के साथ ब्लू-कॉलर नौकरियों (मैनुअल लेबर) की गुणवत्ता बढ़ती है। कौशल विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए नियोक्ताओं और कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना चाहिए। इसमें नौकरी के लिए कोर्स तैयार करने और प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) प्रदान के उद्देश्य से उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना भी शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि कौशल में कमी जैसी चुनौतियों का समाधान करने और बाजार की आवश्यकता वाले कौशल को उपलब्ध प्रतिभा के साथ जोड़ने के लिए एक व्यापक डेटाबेस विकसित किया जाए। विशेष रूप से ब्लू-कॉलर नौकरियों के लिए कोर्स का सर्टिफिकेशन सहायक होगा।

बिरला ओपस पेंट्स का दिल्ली में विस्तार

नयी दिल्ली। आदित्य बिरला ग्रुप की ग्रासिम इंडस्ट्रीज के तहत आने वाले बिरला ओपस पेंट्स ने दिल्ली में 3 नए स्टोर शुरू कर अपना विस्तार किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर में कुल 10 फ्रेंचाइज़ी स्टोर्स के साथ बिरला ओपस पेंट्स देश का सबसे बड़ा पेंट फ्रेंचाइज़ी नेटवर्क बनने जा रहा है। क्योंकि यह ग्राहकों को आधुनिक प्रोडक्ट, डेकोर सॉल्यूशंस और पर्सनलाइज़्ड सेवाएं देने के लिए मशहूर है। क्षेत्र में अपनी शुरुआती डीलर नेटवर्क की सफलता को ध्यान में रखते हुए इन नए स्टोर्स को शुरू किया गया है। बिरला ओपस पेंट्स के सीईओ रक्षित हरगवे ने कहा ÷दिल्ली-एनसीआर बिरला ओपस पेंट्स के लिए बेहद मायने रखता है और हमें बहुत खुशी है कि हम यहां अपने 3 नए फ्रेंचाइज़ी स्टोर्स लॉन्च कर रहे हैं, इसके बाद इस क्षेत्र में हमारे स्टोर्स की कुल संख्या 10 हो गई है। यह विस्तार सिर्फ एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि दिल्ली-एनसीआर के ग्राहकों को बेहतरीन गुणवत्ता और उत्कृष्ट सेवा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे 145 से भी ज्यादा योजनाबद्ध उत्पादों में से 80 प्रतिशत से भी ज्यादा पहले से ही उपलब्ध हैं, और हम हर भारतीय घर को दुनियां के सबसे बेहतरीन प्रोडक्ट्स और ख़ास तौर पर उन्हीं के लिए बनी सेवा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बायईजी के संस्थापकों ने लॉन्च किया ग्लैमजी

नयी दिल्ली । दक्षिण भारत के क्षेत्रों में सौंदर्य और स्वास्थ्य की पहुंच को नया स्वरूप देने के उद्देश्य से बायईजी के संस्थापकों ने एक ब्यूटी ओमनीचैनल प्लेटफ़ॉर्म ग्लैमजी को लॉन्च किया है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह प्लेटफ़ॉर्म ऑफलाइन स्टोर्स और एक मजबूत ऑनलाइन नेटवर्क के जरिए टियर 2 और टियर 3 शहरों में ग्राहकों को समर्पित सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है। मध्यम आय वर्ग की महिलाओं की उन समस्याओं को हल करना है, जो गैर-मेट्रो शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले सौंदर्य और स्वास्थ्य उत्पादों तक पहुंचने में कठिनाई का सामना करती हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म इन कम सेवा वाले क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए सुलभ और किफ़ायती समाधान लाने पर केंद्रित है। वर्तमान में ग्लैमज़ी मैसूर में चार स्टोर संचालित कर रहा है और जल्द ही एक इमर्सिव एक्सपीरियंस स्टोर लॉन्च करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा ग्लैमज़ी का ओमनीचैनल प्लेटफ़ॉर्म (वेबसाइट और ऐप के माध्यम से) कर्नाटक और तमिलनाडु के चुनिंदा क्षेत्रों में मुफ़्त और 15 मिनट की तेज डिलीवरी प्रदान करता है। ग्लैमज़ी के सह-संस्थापक राहुल अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य 2025 के अंत तक गैर-मेट्रो शहरों में 50 ग्लैमज़ी स्टोर स्थापित करना है। हमारा यह विस्तार सौंदर्य उत्पादों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास है और हम इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं।

एआई का इस्तेमाल करो पर गुलाम मत बनो : मुकेश अंबानी

एजेंसी

अहमदाबाद । पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने छात्रों को नसीहत देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करो लेकिन उसके गुलाम मत बनो। श्री अंबानी ने यहां पंडित दीन दयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (पीडीईयू) के दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ÷चैट जीपीटी का जरूर इस्तेमाल करो लेकिन याद रखो कि आर्टिफिशियल बुद्धि से नहीं खुद की बुद्धि से हम आगे बढ़ेंगे और आप आगे बढ़ सकते हैं। आरआईएल के अध्यक्ष ने छात्रों से

बातचीत के दौरान उन्हें सलाह देते हुए कहा, एआई का एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने में माहिर होना चाहिए लेकिन अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करना न छोड़ें। इस विश्वविद्यालय के बाहर निकलते ही आपको इससे भी बड़ी 'यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ' में एडमिशन लेना पड़ेगा। जहां न कैंपस होगा न क्लासरूम और न ही पढ़ाने वाले टीचर्स। आप अपने दम पर ही जीवन में आगे बढ़ सकेंगे। श्री अंबानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय का जन्म प्रधानमंत्री की ही असाधारण दूरदर्शिता का परिणाम है। बीस साल पूर्व उन्होंने मुझसे कहा था कि वे चाहते हैं कि गुजरात ऊर्जा और ऊर्जा उत्पादों के मामले में देश का नेतृत्व करे। साथ ही विश्वस्तरीय मानव संसाधनों को विकसित करने में भी गुजरात को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए और इस तरह इस अग्रणी विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। आरआईएल के अध्यक्ष ने दावा किया, मैं स्पष्ट रूप से देख सकता हूं कि इस सदी के अंत से पहले भारत दुनिया का सबसे समृद्ध राष्ट्र बन जाएगा। दुनिया की कोई भी ताकत भारत की विकास यात्रा को रोक नहीं सकती। उल्लेखनीय है कि श्री मुकेश अंबानी पीडीईयू के फाउंडर प्रेसिडेंट और अध्यक्ष हैं।

बजट में एआई प्रशिक्षण में निवेश आकर्षक कर प्रोत्साहन दिया जाए :वर्ल्ड ट्रेड सेंटर्स एसोसिएशन

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर्स (डब्ल्यूटीसी) बिजनेस एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को केंद्रीय बजट 2025 में शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए सुझावों की एक व्यापक सूची प्रस्तुत की है जिसमें शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रशिक्षण में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए आकर्षक कर प्रोत्साहन प्रदान करने और युवाओं को उद्योग-प्रासंगिक अनुभव प्रदान करने के लिए कार्य से जुड़े शिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करने की सिफारिश भी है। एसोसिएशन ने प्रौद्योगिकी को समन्वित करने तथा उद्योग एवं अकादमिक संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने जैसे कई सुझाव दिए हैं । डब्ल्यूटीसी एसोसिएशन की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार ये सिफारिशें शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों के साथ एक व्यापक विचार-विमर्श सत्र में सामने आयी हैं। इन सिफारिशों का उद्देश्य भारतीय शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाना है। बयान में कहा गया है कि एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल की अध्यक्षता में हुए विचार-विमर्श सत्र में डॉ. अमित सक्सेना, श्रीमती स्तुति कक्कड़ (सेवानिवृत्त आईएएस), डॉ. ओलेक्सांद्र (भारत में यूक्रेन के राजदूत), संजीव आहूजा (उद्यमी) और दीपक द्विवेदी (पत्रकार) और एसोसिएशन के महानिदेशक डॉ. योगेश श्रीवास्तव तथा कई अन्य विशेषज्ञ शामिल थे। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण के बारे में एसोसिएशन का कहना है।

सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की कम हुई चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने के भाव में आज 300 रुपये से लेकर 320 प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 81,920 रुपये से लेकर 82,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 75,090 रुपये से लेकर 75,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली कमजोरी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,300 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 82,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 75,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 75,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 81,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 75,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 82,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट

सोना 75,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 81,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 75,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 82,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 75,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सीतारमण एक फरवरी को पेश करेंगी बजट, 31 जनवरी से शुरू होगा बजट सत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण से होगी। इसके अगले दिन एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को शुरू होकर 13 फरवरी को समाप्त होगा। बजट सत्र का दूसरा चरण 10 मार्च को शुरू होगा, जो 4 अप्रैल तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बजट सत्र के पहले दिन 31 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन स्थित लोकसभा कक्ष में संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगी। संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद शुक्रवार को लोकसभा और राज्यसभा की संक्षिप्त बैठक होगी। इसके बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों सदनों में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी।

संसदीय अधिसूचना के मुताबिक वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2025-26 पेश करेंगी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा 3-4 फरवरी को होगी, जबकि राज्यसभा ने बहस के लिए तीन दिन निर्धारित किए गए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि सरकार ने 30 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। उन्होंने आगामी सत्र के दौरान सदन में सुचारू चर्चा करने के लिए विपक्षी नेताओं से सहयोग की अपील की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक अच्छा और संतुलित बजट पेश करेंगी।

एनएमडीसी का 2030 तक 10 करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य

एजेंसी

हैदराबाद। देश की प्रमुख लौह अयस्क खनन कंपनी एनएमडीसी ने वर्ष 2030 तक प्रत्येक वर्ष दस करोड़ टन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी ने यहां एक विक्रेता सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें उसने अपने 10 करोड़ टन प्रति वर्ष की कार्ययोजना को साझा किया। इस सम्मेलन में देशभर के संवेदकों, सलाहकारों और विक्रेताओं के साथ 70,000 करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय योजना की जानकारी दी गई। कंपनी का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में उत्पादन क्षमता को बढ़ाना, बुनियादी ढांचे का निर्माण करना और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाना है। एनएमडीसी ने अपनी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने और अपने साझेदारों से उच्चतम गुणवत्ता और समयबद्धता की मांग करते हुए व्यापार करने में आसानी का आश्वासन दिया। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमिताव मुखर्जी ने कहा, 'यह केवल व्यवसाय नहीं बल्कि 2030 तक 10 करोड़ टन का लक्ष्य प्राप्त करना एनएमडीसी के लिए एक प्राथमिकता है।

यह अवसर हमें वैश्विक खनन पावरहाउस बनने की दिशा में आगे बढ़ने का मौका देता है।' उन्होंने विक्रेताओं से आग्रह किया कि वे इस लक्ष्य को समय पर और सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए अपने संसाधनों और वित्तीय योजनाओं को मजबूत करें। एनएमडीसी की यह योजना भारतीय खनन और इस्पात उद्योग में नए मानक स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी विक्रेताओं के साथ साझेदारी को मजबूत करते हुए राष्ट्र के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से मजबूती के साथ बंद हुआ घरेलू बाजार

एजेंसी

नयी दिल्ली। बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज जोरदार वापसी की। आज के कारोबार में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही, जिसके कारण दिन के कारोबार में सेंसेक्स 1,100 अंक से अधिक और निफ्टी 300 अंक से अधिक उछलने में सफल रहे। हालांकि, आखिरी 1 घंटे के कारोबार में दिन के ऊपरी स्तर पर हुई मुनाफा वसूली के कारण दोनों सूचकांक सर्वोच्च स्तर से नीचे गिर कर बंद हुए। पूरे के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के अलावा रियल्टी और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में भी लगातार खरीदारी होती रही। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, पावर, यूटिलिटी, इंडस्ट्रियल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक, ऑयल एंड गैस, मेटल, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 409.15 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 410.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,084 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,311 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,663 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 110 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,579 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 767 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,812 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 292.83 अंक की मजबूती के साथ 75,659 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर 75,622.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से शाम 3 बजे के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 1,146.79 अंक की मजबूती के साथ 76,512.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी निवेशकों की जनवरी में सबसे अधिक बिकवाली, 3 सप्ताह में बेचे 67 हजार करोड़ के शेयर

एजेंसी

नयी दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने जनवरी माह में सबसे अधिक बिकवाली की है। यानी इसके पहले किसी भी साल जनवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इतने बड़े पैमाने पर बिकवाली नहीं की है। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 24 जनवरी तक विदेशी संस्थागत निवेशक 7.8 बिलियन डॉलर यानी करीब 67 हजार करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके थे। मौजूदा सप्ताह का कारोबारी आंकड़ा आना अभी बाकी है। ऐसे में अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली इस सप्ताह भी लगातार जारी रही, तो एफआईआई का महीने भर में की गई कुल बिकवाली का आंकड़ा और अधिक होने पर घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में सबसे खराब महीने के रूप में अपना नाम दर्ज करा सकता

है। घरेलू शेयर बाजार के इतिहास अभी तक इसके पहले सिर्फ दो मौके पर ही इससे अधिक बिकवाली हुई है। सबसे अधिक बिकवाली मार्च, 2020 में 8.4 बिलियन डॉलर की हुई थी, जबकि अक्टूबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने 11.2 बिलियन डॉलर की बिकवाली की थी। इस महीने पहले 3 सप्ताह में ही विदेशी निवेशक 7.8 बिलियन डॉलर की बिकवाली कर चुके हैं। जनवरी के महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सबसे अधिक बिकवाली फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में की है। इस सेक्टर में विदेशी निवेशकों ने 1.41 बिलियन डॉलर के शेयर बेचे हैं। इसी तरह कंज्यूमर सर्विस सेक्टर में 40.53 करोड़ डॉलर, पावर सेक्टर में 36 करोड़ डॉलर और कैपिटल गुड्स सेक्टर में 30.31 करोड़ डॉलर की बिकवाली विदेशी निवेशकों द्वारा की गई है। इन चुनिंदा सेक्टर्स के अलावा ऑटोमोबाइल, कंस्ट्रक्शन, मेटल और आईटी सेक्टर में भी विदेशी निवेशक खुलकर बिकवाली की है। डिपॉजिटरी के मुताबिक मेटल, आईटी, ऑटोमोबाइल और कंस्ट्रक्शन सेक्टर के करीब 20 करोड़ डॉलर के शेयर अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा बेचे जा चुके हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि घरेलू शेयर बाजार फिलहाल जियो-पॉलिटिकल टेंशन, वैश्विक अर्थव्यवस्था की सुस्ती, घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और ऊंची ब्याज दरों की वजह से कड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि शेयर बाजार को अमेरिका की ओर से टैरिफ वॉर शुरू किए जाने की भी आशंका है।

पेटीएम पेमेंट्स के सीईओ नकुल जैन ने इस्तीफा दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) के मुख?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नकुल जैन ने इस्तीफा दे दिया है। नकुल जैन ने अपने खुद के कारोबारी सफर की शुरुआत करने के लिए अपना पद छोड़ा है। पेटीएम ने अपनी रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि पीपीएसएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नकुल जैन ने 31 मार्च, 2025 को कारोबारी समय समाप्त होने या आपसी सहमति से पहले की तारीख से अपने पद से इस्तीफा दिया है। जैन ने एक उद्यमी यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, जिसके कारण उन्होंने यह निर्णय लिया है। बयान में यह भी कहा गया है कि हम उनके योग्य विकल्प की तलाश कर रहे हैं। पेटीएम ने कहा कि कंपनी नए नाम की घोषणा जल्द ही करेंगी। पेटीएम को अगस्त, 2024 में

पीपीएसएल में डाउनस्ट्रीम निवेश के लिए सरकार से मंजूरी मिली थी। इसके बाद कंपनी ने पीए लाइसेंस के लिए फिर से रिजर्व बैंक के समक्ष आवेदन किया है। नोएडा मुख?यालय स्थित पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) एक प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो पूर्ण-स्टैक भुगतान और वित्तीय समाधान प्रदान करती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लौटने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.56 प्रतिशत चढ़कर 73.58 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड भी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 77.55 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत और ओमान दोहरा कराधान बचाव संधि में संशोधन के लिए सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ओमान ने सीमापार कराधान के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कर मामलों में ज्यादा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन करने पर अपनी सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मस्कट यात्रा के दौरान भारत-ओमान दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन करने के लिए एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही भारत और ओमान ने द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर शीघ्र हस्ताक्षर करने के लिए वार्ता में तेजी लाने पर सहमति जताई है, जिस पर बातचीत अग्रिम चरण में है। मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ओमान की दो दिवसीय यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। गोयल ने इस यात्रा के दौरान ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री महामहिम कैस बिन मोहम्?मद अल युसूफ के साथ भारत-ओमान संयुक्त आयोग की बैठक (जेसीएम) के 11वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सकारात्मक बातचीत हुई। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक पीयूष गोयल ने मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल युसूफ के साथ एक सकारात्मक द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों की विस्तृत समीक्षा की। वाणिज्य मंत्री ने पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए ठोस कदमों की पहचान की। इसके अलावा दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय भारत-ओमान व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर भी विचार-विमर्श किया, जिस पर बातचीत अभी अंतिम दौर में है। मंत्रालय के मुताबिक दोनों मंत्रियों ने इस समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर करने के लिए चर्चाओं में तेजी लाने पर सहमति जताई, जो द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में एक नया मील का पत्थर साबित होगा। इसमें दो-तरफा व्यापार और निवेश को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की क्षमता है। इसके अलावा दोनों पक्षों ने इस दौरान भारत-ओमान दोहरे कराधान परिहार समझौते (डीटीएए) में संशोधन के लिए प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए, जिससे इसे सीमा पार कराधान पर अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया जा सके, कर प्रक्रियाओं को सरल बनाया जा सके और कर मामलों में अधिक सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मामलों के उप प्रधानमंत्री और महामहिम के विशेष प्रतिनिधि महामहिम सैय्यद असद बिन तारिक अल सईद से मुलाकात की। महामहिम सैय्यद असद ने सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भारत में ओमानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था।

भारत की अंडर 20 महिला टीम फरवरी में तुर्की में तीन मैत्री मैच खेलेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की अंडर 20 महिला टीम फरवरी में तुर्की के अंताल्या में फीफा इंटरनेशनल मैच विंडो के दौरान जॉर्डन, हांगकांग और रूस के साथ मैत्री मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) सूत्रों ने आज यहां बताया कि मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन की अगुवाई में भारतीय टीम अंताल्या में 19 फरवरी को जॉर्डन, 22 फरवरी को हांगकांग तथा 25 फरवरी को रूस के साथ खेलेंगी। भारत अंडर 20 महिला टीम जुलाई 2025 में होने वाली सैफ अंडर 20 महिला चैम्पियनशिप और अगस्त 2025 के लिए एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिये काफी समय से तैयारी कर रही है।

कोहली के किया अरूण जेटली स्टेडियम में अभ्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने अरूण जेटली स्टेडियम में अभ्यास किया। यहां स्टेडियम में विराट कोहली ने बल्लेबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षण का भी अभ्यास किया। वह 30 जनवरी से दो फरवरी तक यहां रेलवे के खिलाफ होने वाले आखिरी ग्रुप मैच में खेलेंगे। वह12 साल के बाद रणजी ट्रॉफी मैच में खेलने जा रहे। इससे पहले उन्होंने 2012 में रणजी ट्रॉफी में खेला था। उल्लेखनीय है कि गर्दन की चोट के कारण कोहली पिछले मैच में नहीं खेल पाये थे। पिछले कुछ दिनों में सोशल मीडिया पर कोहली मुंबई स्थित प्रशिक्षण केंद्र में पूर्व भारतीय खिलाड़ी और आरसीबी बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ के साथ देखे गये हैं। कोहली 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले तीन मैचों की द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम का हिस्सा हैं।

बिहार शुरू करेगा ग्रामीण क्रिकेट लीग, जमीनी प्रतिभाओं को मिलेगा बड़ा मंच

पटना। बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) की शुरुआत करने का ऐलान किया है। बीसीए के अध्यक्ष राकेश तिवारी के नेतृत्व में यह लीग उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान करेगी, जिन्हें अब तक जिला या राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिला है। इस पहल के साथ ही, बिहार ग्रामीण क्रिकेट लीग आयोजित करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं की खोज

बीसीए का उद्देश्य गांवों, स्कूलों, कॉलेजों और ब्लॉक स्तर पर छिपी हुई क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें राज्य की मुख्यधारा में लाना है। इस लीग में 13 से 23 वर्ष की आयु के खिलाड़ी हिस्सा ले सकेंगे। चयनित खिलाड़ियों को भविष्य में बिहार का प्रतिनिधित्व करने के लिए बड़े मंच प्रदान किए जाएंगे। बीसीए अध्यक्ष राकेश तिवारी ने कहा, ÷बिहार ग्रामीण लीग (बीआरएल) हमारी एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत हम उन खिलाड़ियों की खोज करेंगे, जिन्हें अब तक अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर नहीं मिला। हमारा लक्ष्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें तराशा जाए और क्रिकेट की मुख्यधारा में लाया जाए।

नेमार ने आपसी सहमति से सऊदी क्लब अल-हिलाल को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार ने सऊदी अरब के क्लब अल-हिलाल के साथ अपने अनुबंध को आपसी सहमति से समाप्त कर दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की और नेमार के करियर की आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर जारी किए गए क्लब के बयान में कहा गया, क्लब नेमार को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।

सऊदी क्लब में चोटों से प्रभावित रहा सफर

32 वर्षीय नेमार, जो अगस्त 2023 में अल-हिलाल का हिस्सा बने थे, चोटों के कारण अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके। क्लब में शामिल होने के बाद उन्होंने सिर्फ 7 मैच खेले, जबकि उनका सालाना वेतन लगभग 104 मिलियन डॉलर था।

आईसीसी में बड़ा बदलाव: मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने छोड़ा पद

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में चल रहे उथल-पुथल के बीच एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ज्योफ एलार्डिस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। आईसीसी ने इसकी पुष्टि की और कहा कि नए सीईओ की नियुक्ति की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। आईसीसी में पिछले साल नवंबर से ही प्रशासनिक बदलाव का दौर चल रहा था, जब दो शीर्ष अधिकारियों को हटाया गया था। एलार्डिस का इस्तीफा इसी कड़ी में एक बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल हुए टी-20 विश्व कप में गड़बड़ियों के कारण प्रशासन पर सवाल उठे थे। वहीं, आगामी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में भी कई अड़चनें आई हैं, जिससे जवाबदेही के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। आईसीसी ने अपने बयान में कहा कि एलार्डिस ने अपने पद छोड़ने का निर्णय स्वयं लिया है। हालांकि, हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में उनकी भूमिका की जांच हो रही थी। भारतीय टीम के संभावित गैर-भागीदारी का मुद्दा लंबे समय तक अनसुलझा रहा, जिससे टूर्नामेंट की योजनाओं पर असर पड़ा। इसके अलावा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेड्यूल जारी करने में देरी सहित कई मुद्दों को लेकर आईसीसी को पत्र लिखा था।

ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर स्टार स्पोर्ट्स ने भी टूर्नामेंट के शेड्यूल में लगातार देरी पर आपत्ति जताई थी और आईसीसी को उसके अनुबंधीय दायित्वों की याद दिलाई थी।

एलार्डिस का कार्यकाल और भविष्य की राह

ऑस्ट्रेलियाई मूल के ज्योफ एलार्डिस 2012 में आईसीसी से जुड़े थे और क्रिकेट के महाप्रबंधक के रूप में अपनी भूमिका निभाते रहे। नवंबर 2021 में उन्हें सीईओ नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके नेतृत्व को अपेक्षाकृत कमजोर माना गया और हाल के विवादों के बाद उनके इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई थीं। आईसीसी के नए अध्यक्ष जय शाह ने एलार्डिस के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा, आईसीसी बोर्ड की ओर से, मैं ज्योफ को उनके नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उनके प्रयासों ने वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हम उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हैं।

बुमराह, सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी

दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को क्रिकेट के सभी प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा, जसप्रीत बुमराह को 2024 में शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी अवार्ड्स में आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर के लिए प्रतिष्ठित सर गारफील्ड सोबर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने खेल के सबसे लंबे और छोटे प्रारूप में विरोधी खिलाड़ियों पर दबदबा बनाया। बुमराह ने इस पुरस्कार के लिए नामांकित ट्रैविस हेड, जो रूट और हैरी ब्रूक को पछाड़कर यह खिताब जीता है। वह राहुल द्रविड़ (2004), सचिन तेंदुलकर (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2017, 2018) के बाद भारत से इस पुरस्कार को पाने वाले पांचवें व्यक्ति हैं। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में मौजूदा नंबर वन

गेंदबाज 200 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय तेज गेंदबाज है। उन्होंने 20 से कम की गेंदबाजी औसत के साथ यह उपलब्धि हासिल की है जो कि क्रिकेट इतिहास में सर्वश्रेष्ठ है।

विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय महिला खो–खो प्रतियोगिता शुरू

एजेंसी

डेहरी आन सोन। रोहतास जिले के डेहरी आन सोन स्थित महिला कॉलेज डालमियानगर में दो दिवसीय वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय महिला खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ आज हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र के पीजी के विभागाध्यक्ष डॉ कुंदन कुमार सिंह ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर किया । मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियो से परिचय किया । उन्होंने कहा कि खेल भावना के साथ समन्वय के जरिए खेलों से एक दूसरे से जुड़ने का मौका मिलता है। खेल के अच्छे परफॉर्मेंस पर आपको प्रदेश और देश स्तर पर पहचान देगा। खेल के क्षेत्र में बिहार अब्बल होगा।बिहार में खिलाड़ियों को मेडल लाओ और नौकरी सरकार से रही है ।उन्होंने छात्राओं कोखेल के क्षेत्र में उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। खेल जानकार समाजसेवी संजय सिंह बाला ने टॉस के माध्यम से खेल का शुभारंभ किया। खो-खो प्रतियोगिता उद्घाटन मैच सासाराम स्थित रोहतास महिला कालेज और नौहट्टा के सब डिविजनल गवर्नमेंट डिग्री कालेज की टीम के बीच हुआ।

जिसमें नौहट्टा की टीम 5- 6 से विजयी रही। वही दूसरा मैच तिलौथू स्थित राधा शांता कॉलेज और सासाराम के श्री शंकर कॉलेज बीच हुआ, जिसमें तिलौथू की टीम 12 - 4 विजयी रही। पहला सेमीफाइनल मैच सब डिविजनल गवर्नमेंट डिग्री कालेज और बक्सर के एम वी कॉलेज के बीच हुआ, जिसमें बक्सर कालेज 12-4विजयी हुआ। दूसरा फाइनल मैच राधा शांता कॉलेज और महिला कालेज डालमियानगर के बीच हुआ,जिसमें बक्सर की टीम की टीम 8-4 विजयी होकर फाइनल में पहुंचा।

फाइनल मैच बक्सर और तिलौथू कालेज के टीम के बीच होगा रेफरी की भूमिका राधा शांता कॉलेज के पीटीआई विनोद कुमार सिंह ने निभाई। उन्होंने बेहतरीन ढंग से खो-खो प्रतियोगिता का संचालन किया। कार्यक्रम का संचालन कालेज समाज शास्त्र विभाग की कुमारी नीतू ने किया। मौके पर प्रो मधुरिमा मिश्रा,डॉ उपासना, डॉ विकास नारायण त्रिवेदी, डॉ शंभु शरण सिंह, डॉ अजय कुमार समेत कालेज के शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी और भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

हांसी फ्लिक ने स्ज़ेसनी को बार्सिलोना में पहली पसंद का गोलकीपर बनाया

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना के मुख्य कोच हांसी फ्लिक ने पुष्टि की कि वोइशिएक स्ज़ेसनी अब इनाकी पेना से आगे उनकी पहली पसंद के गोलकीपर बन गए हैं। आर्सेनल, रोमा और जुवेंटस के पूर्व गोलकीपर स्ज़ेसनी अक्टूबर में बार्सिलोना से जुड़े थे, जब मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए थे। हालांकि, फिटनेस संबंधी चिंताओं और इनाकी पेना के अच्छे फॉर्म के कारण स्ज़ेसनी का डेब्यू 4 जनवरी को हुआ, जब उन्होंने कोपा डेल रे में बारबास्ट्रो पर बार्सा की 4-0 से जीत में हिस्सा लिया।

इसके बाद उन्होंने स्पेनिश सुपरकप के दोनों मैच खेले, जिसमें बार्सिलोना ने खिताब जीता, हालांकि फाइनल में उन्हें लगभग आधे घंटे शेष रहते बाहर भेज दिया गया। इनाकी पेना ने बेतिस के खिलाफ बार्सा की 2-0 कोपा डेल रे जीत और गेटाफे के खिलाफ 1-1 ला लीगा ड्रॉ में बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन फ्लिक ने चैंपियंस लीग में बेनफिका के खिलाफ

स्ज़ेसनी को चुना। बार्सा ने यह मैच 5-4 से जीता, हालांकि स्ज़ेसनी ने एक पेनल्टी स्वीकार की और एक गोल में गलती भी की। इसके बावजूद, फ्लिक ने वालेंसिया के खिलाफ 7-1 की जीत में भी उन्हें टीम में रखा।

एटलांटा के खिलाफ चैंपियंस लीग ग्रुप-स्टेज के अंतिम मैच के लिए अपने निर्णय पर फ्लिक ने स्पष्ट किया कि अब स्ज़ेसनी उनकी प्राथमिक पसंद हैं। उन्होंने कहा, यह मेरे द्वारा लिए गए सबसे कठिन निर्णयों में से एक है। यह हमेशा कठिन होता है क्योंकि गोलकीपर की भूमिका बहुत खास होती है।

फ्लिक ने यह भी स्पष्ट किया कि यह इनाकी पेना में विश्वास की कमी को नहीं दर्शाता। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि जब मैं टेक (स्ज़ेसनी) के बारे में कुछ अच्छा कहता हूं, तो ऐसा लगता है कि इनाकी हार रहा है, मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे गोलकीपर चुनना है और वे दोनों बेहतरीन गोलकीपर हैं। मैं हमेशा अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ की तलाश करता हूं और इस समय मैं इसे इसी तरह देखता हूं, हालांकि इनाकी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

इंग्लैंड ने भारत को 26 रनों से हराया

एजेंसी

राजकोट। बेन डकेट (51) और लियम लिविंगस्टन (43) की साहसिक पारियों के बाद जेमी ओवर्टन (तीन विकेट), ब्राइडन कार्स और जोफ्रा आर्चर (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मैच में भारत को 26 रनों से हरा दिया हैं। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम ने पांच मैचों की सीरीज में खुद को बनाये रखा है। 172 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 16 रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन (तीन) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। चौथे ओवर में ब्राइडन कार्स ने अभिषेक शर्मा (25) को आउटकर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई। छठे ओवर में सूर्यकुमार यादव (14) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद भारत के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। आठवें ओवर में तिलक वर्मा (18) और उसके बाद 13वें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर (छह) रन बनाकर

आउट हुये। 18वें ओवर में अक्षर पटेल (15) के रूप में भारत का छठा विकेट गिरा।19वें ओवर में की पहली गेंदबाज जेमी ओवर्टन ने हार्दिक पंड्या को आउटकर भारत की मैच जीतने की उम्मीदों को करारा झटका दिया। हार्दिक पंड्या ने 35 गेंदों में दो छक्के और एक चौका लगाते हुये (40) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में मोहम्मद शमी (छह) जेमी ओवर्टन को तीसरा शिकार बने। इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 146 रन ही बना सकी और 26 रनों से मुकाबला हार गई। इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवर्टन ने तीन विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर और ब्राइडन कार्स को दो-दो विकेट मिले। मार्क वुड और आदिल रशीद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।इससे पहले आज यहां सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (पांच) का विकेट गवां दिया। सॉल्ट को हार्दिक पंड्या ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान जॉस बटलर ने बेन डकेट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में वरूण चक्रवर्ती ने बटलर (24) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अक्षर पटेल ने बेन डकेट को आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दिया। डकेट ने 28 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (51) रन बनाये।13वें ओवर में रवि बिश्नोई ने हैरी ब्रूक (आठ) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। ऐसे संकट के समय में बल्लेबाजी करने आये लियम लिविंगस्टन ने मोर्चा संभाला। लेकिन भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे उनके साथ कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। लियम लिविंगस्ट ने 24 गेंदों में पांच छक्के एक चौका लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 171रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से वरूण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लिये। हार्दिक पंड्या को दो विकेट मिले। रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

विदेशी खिलाड़ियों को भुगतान न करने पर बीसीबी करेगा दरबार राजशाही के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

एजेंसी

क्वालालंपुर। निशिता ए निशी (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद फहमिदा छोया (नाबाद 14) और जुयैरिया फिरदौस (नाबाद 25) पारियों के दम पर बंगलादेश ने सुपर सिक्स ग्रुप ए में महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप मुकाबले में वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हरा दिया है।

वेस्टइंडीज के 54 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने फहमिदा छोया (नाबाद 14) और जुयैरिया फिरदौस (नाबाद 25) की शानदार पारियों की मदद से 8.3 ओवर में बिना कोई विकेट गवांये 55 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। आज यहां बंगलादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने अमृता रामटहल (नाबाद 16), नईजनी कंबरबैच (13) और असाबी कॉलेंडर (11) के योगदान से 13 ओवर में छह विकेट पर 54 रन

का स्कोर बनाया। बंगलादेश की ओर से निशिता ए निशी ने 11 रन देकर तीन विकेट लिये। अनीसा अख्तर सोबा ने 13 रन देकर दो बल्लेबाजों को आउट किया। जन्नतउल महुआ ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय महिला टीम ने स्कॉटलैंड को रिकार्ड 150 रनों से हराया

एजेंसी

क्वालालंपुर। जी तृषा (नाबाद 110 रन/ तीन विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सुपर सिक्स ग्रुप एक मुकाबले में स्कॉटलैंड को रिकार्ड 150 रनों से हरा दिया हैं।

209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सकी और पूरी टीम 14 ओवर में 58 रन के स्कोर पर सिमट गई। पिप्पा केली, एम्मा वाल्सिंघम ने (12-12) रन और पिप्पा स्प्राउल (11) रन बनाकर आउट हुई। नयमा शेख (10) रन बनाकर नाबाद रही। भारत की ओर से आयुषी शुक्ला ने तीन ओवर में आठ रन देकर चार विकेट लिये । जी तृषा ने दो ओवर में छह रन देकर (तीन विकेट) और वैष्णवी शर्मा ने दो ओवर में पांच रन देकर (तीन विकेट) झटके। जी तृषा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

आज यहां स्कॉटलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की जी कमालिनी और जी तृषा की सलामी जोड़ी पहले विकेट के लिए 147 रनों की साझेदारी की। 14वें ओवर में मैसी मैसीरा ने जी कमालिनी को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। जी कमालिनी ने 42 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए (51) रन बनाये। जी तृषा ने 59 गेंदों में 13 चौके और चार छक्के लगाते हुए (नाबाद 110) रनों की आतिशी पारी खेली। सनिका चलके (29) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में एक विकेट पर 208 का स्कोर खड़ा किया। स्कॉटलैंड की ओर से मैसी मैसीरा ने एक विकेट लिया।

फ्रैंड्स यूनाइटेड पर सुदेवा की आकर्षक जीत

एजेंसी

मुल्तान । तुषार कुमार सिंह, अरमान अहमद और प्लेयर ऑफ द मैच चुंगखामा जैक्सन के बेहतरीन गोलों की मदद से सुदेवा दिल्ली एफसी ने फ्रैंड्स यूनाइटेड को 3-0 से हराकर डीएसए दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे तीन अंक अर्जित किए। आज यहां जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए मैच में फ्रैंड्स यूनाइटेड के कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में अधिकतर समय विजेता टीम सुदेवा का दबदबा रहा। इस जीत के साथ सुदेवा 13 मैचों में 23 अंक जुटा लिए हैं जबकि फ्रैंड्स यूनाइटेड के 15 मैचों में 17 अंक हैं। सुदेवा एफसी ने शुरू से ही प्रतिद्वंद्वी टीम की कमजोरी को भांप लिया था और दाएं-बाएं छोर से सुनियोजित धावे बोलकर उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह झकझोर डाला। तारीफ की बात यह रही कि सुदेवा ने किसी भी क्षण फ्रैंड्स यूनाइटेड को हावी नहीं होने दिया और योजनाबद्ध खेलते हुए दर्शनीय गोल जमाए।

बुधवार सीआईएसएफ प्रोटेक्टर्स बनाम वाटिका और फ्रैंड्स यूनाइटेड का मुकाबला भारत यूनाइटेड से होगा।

टाटा स्टील शतरंज :राउंड 9 में गुकेश ने मेंडोंका को हराकर बढ़त बनाई

एजेंसी

नई दिल्ली। नीदरलैंड के विज्क आन ज़ी में चल रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश ने हमवतन लियोन ल्यूक मेंडोंका को मात देकर एकमात्र लीडर के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

गुकेश, जो हाल ही में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बने हैं, ने 43 चालों में अपनी चौथी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ, वे 10वें दौर में प्रवेश करने वाले एकमात्र लीडर बने, जिनके पास संभावित नौ में से 6.5 अंक हैं। दूसरी ओर, आर. प्रज्ञानानंद, जो नौवें राउंड में लीडर के रूप में आए थे, स्थानीय दिग्गज अनीश गिरी से हार गए। उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव अब प्रज्ञानानंद से आगे निकल गए, जिससे वे चौथे स्थान पर पहुंच गए।

गुकेश के आगामी चार मुकाबलों में दो डच खिलाड़ी, मैक्स वार्मरडैम (2646 रेटिंग) और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट (2680) शामिल हैं। इसके अलावा, उन्हें गत विजेता चीन के वेई यी (2751) से भी चुनौती मिलेगी। मेंडोंका के लिए टूर्नामेंट कठिन साबित हो रहा है, क्योंकि उन्होंने अभी तक कोई जीत दर्ज नहीं की है। उनके खाते में पांच ड्रॉ और चार हार हैं। साथी भारतीय अर्जुन एरिगैसी, जो 2801 की एलो रेटिंग के साथ इस टूर्नामेंट में प्रमुख दावेदारों में से एक थे, का भी अब तक निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। उनके अगले मुकाबले वैन फॉरेस्ट और अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ होंगे, जबकि टूर्नामेंट का समापन गुकेश के खिलाफ एक अहम अखिल भारतीय मुकाबले के रूप में होगा।

चैलेंजर्स सेक्शन में भारतीय प्रदर्शन

चैलेंजर्स सेक्शन में, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने नौवें राउंड में ड्रॉ खेला। वैशाली अब स्टैंडिंग में आठवें स्थान पर हैं, जबकि दिव्या एक जीत और दो ड्रॉ के साथ नीचे से दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। वैशाली छह अंकों के साथ 14 प्रतियोगियों में आठवें स्थान पर बनी हुई हैं। गुकेश की शानदार लय और भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर अब सभी की नजरें टिकी हैं, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम राउंड बेहद महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं।

विश्वा फर्नांडो ने अल्पकालिक चैम्पियनशिप सौदे पर वारविकशायर के साथ किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज विश्वा फर्नांडो ने इस सत्र में काउंटी चैम्पियनशिप अभियान की शुरुआत के लिए वारविकशायर के साथ करार किया है। फर्नांडो ने 79 टेस्ट विकेट लिए हैं, जिसमें दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका में अपने आखिरी मैच में चार विकेट शामिल हैं, और वे अप्रैल में वारविकशायर के डिवीजन वन खेलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने पिछली गर्मियों में यॉर्कशायर के साथ तीन मैचों की पारी में प्रभावित किया था, जिसमें डर्बीशायर के खिलाफ मैच में नौ विकेट सहित 17 विकेट लिए थे, और श्रीलंका के इंग्लैंड दौरे के टेस्ट मैचों में भी शामिल रहे, जिसमें तीसरे टेस्ट में किआ ओवल में उनकी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका भी शामिल है।

वह 4 अप्रैल से शुरू होने वाले ससेक्स के खिलाफ़ अपने सीज़न के पहले मैच में वारविकशायर के लिए पदार्पण कर सकते हैं, और एक अन्य पूर्व क्लब, डरहम के खिलाफ खेलने के लिए भी उपलब्ध होंगे, और 18 अप्रैल से नॉटिंघमशायर के खिलाफ़ वारविकशायर के घरेलू मैच में भी खेलेंगे। फर्नांडो ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, मैं सीज़न के शुरुआती चरणों के लिए वारविकशायर में शामिल होने के लिए रोमांचित हूँ। पिछले दो वर्षों में काउंटी क्रिकेट खेलना मेरे लिए बेहद आनंददायक रहा है। काउंटी में कुछ

बहुत अच्छे क्रिकेटर हैं और मैं एलेक्स डेविस, एड बर्नार्ड और सभी लड़कों के साथ खेलने के लिए उत्सुक हूँ। जब मैं किसी भी टीम के लिए मैदान पर उतरता हूँ तो मैं हमेशा अपना 100 प्रतिशत देता हूँ और वफादार बियर्स प्रशंसक हर दिन मेरा दिल और आत्मा से स्वागत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे यह अवसर देने के लिए मैं क्रिकेट श्रीलंका का आभारी हूँ और मेरी क्षमता पर विश्वास करने के लिए मार्क रॉबिन्सन का आभारी हूँ। फर्नांडो के हस्ताक्षर इस बात की पुष्टि के बाद हुए हैं कि पाकिस्तान के हसन अली लगातार तीसरे साल एजबेस्टन में वापसी करेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर, न्यूजीलैंड के टेस्ट कप्तान टॉम लैथम और पूर्व मिडिलसेक्स पेसर एथन बैम्बर भी सर्दियों में शामिल हुए हैं।

वारविकशायर के प्रथम-टीम कोच मार्क रॉबिन्सन ने कहा, काउंटी चैंपियनशिप के पहले तीन राउंड के लिए विश्वा को सुरक्षित करके हम बहुत खुश हैं। वह एक सिद्ध अंतरराष्ट्रीय और बाएं हाथ के गेंदबाज हैं, जो हमारे आक्रमण को पूरक बनाने के लिए हमें शानदार विविधता प्रदान करेंगे। पिछले सीजन में उन्होंने यॉर्कशायर के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था, बहुत सारे विकेट लिए थे और हमें उम्मीद है कि वह इस अभियान को मजबूत शुरुआत देने में हमारी मदद कर सकते हैं।

गुरुवार को होगी ट्रैक्टर रैली, विशाल जनसभा में शामिल होंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार काका

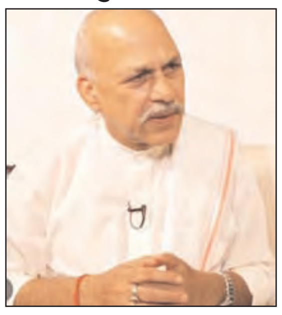

सिलवानी। किसान मजदूर महासंघ के तत्वाधान में दिल्ली आन्दोलन के समर्थन में किसान मजदूर महासंघ के द्वारा सिलवानी मे मुख्य मार्गों से होते हुए विशाल ट्रैक्टर वाहन रैली के साथ वस स्टैंड पर आम सभा का आयोजन किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई सिलवानी के द्वारा किया जा रहा है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार काका शामिल होकर किसने की समस्याओं को लेकर आमसभा को संबोधित करेंगे।

किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक 21 सिलवानी के द्वारा किसानों तथा नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पधार कर कार्यक्रम में आने की अपील की जा रही है किसान मजदूर महासंघ के संभाग मीडिया प्रभारी शिवकुमार रघुवंशी ने बताया कि एक दिवसीय धरना दिन गुरुवार को किसान मजदूर महासंघ ब्लॉक इकाई के द्वारा सिलवानी में किसानों द्वारा वाहन रैली के साथ प्रशासन को किसानों की समस्याओं को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों को एक मांग पत्र दिया जायेगा जिसमें किसानों की समस्याओं के मामलों के निराकरण को लेकर प्रशासन से अपील की जायेगी।

किसानों से कार्यक्रम सफल बनाने को लेकर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचने की अपील किया।

गोवंश से भरे एक ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया

सिलवानी। हिंदु संगठनो के कार्यकताओं ने बध हेतु ले जाए जा रहे गोवंश से भरे एक ट्रक को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया। ट्रक क्रमांक एम एच 29-टी-2003 में 36 गोवंष भरे थे जिसमे 28 गाय तथा 8 बछड़े थे। गोवंश को जुनिया स्थित गोशाला में पहुंचाया गया। हिंदु संगठन विहिप, बजरंग दल के द्वारा गोवंश से भरे ट्रक को पकड़े जाने के बाद देखा तो सभी गोवंश के चारो पैर तथा मुंह रस्सी से आरोपियों के द्वारा बेरहमी से बांधे गए थे। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियो की तलाश प्रारंभ कर दी है।

सिलवानी थानांतर्गत पुलिस चौकी जैथारी के ग्राम रैपुरा स्थित सरकारी स्कूल के पास मैदान में गोवंश भरे ट्रक के खड़े होने की जानकारी मिलने पर हिंदु संगठनो के कार्यकर्ता रवि षंकर राय अपने साथी राहुल नामदेव, नीरज जौषी तथा राघवेंद्र कुषवाहा के साथ मौके पर पहुंचे तथा देखा कि ट्रक में गोवंष भरे हुए है। जिसकी जानकारी पुलिस चौकी जैथारी को दी। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा कार्रवाही की। जैथारी पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अरविंद पाण्डेय ने बताया कि फरियादी रवि शंकर राय की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज की है। गोवंष जिसमें कि 28 गाय तथा 8 बछड़े शामिल है सभी को जुनिया स्थित गोषाला पहुचायां गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 0/25 धारा 11 (1) (घ) पशु क्रूरता अधिनियम 1960- 4,6,9 मप्र गोवंष बध अधिनियम 2004 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

फरियादी रविषंकर राय ने बताया कि रैपुरा गांव के सरकारी स्कूल के पास बीती रात्रि को एक ट्रक में गोवंष भरे होने की जानकारी मिलने पर साथियों के साथ मौके पर पहुंच कर देखा तो ट्रक में गोवंष भरे हुए थे सभी के पैर तथा मुंह को बेरहमी से रस्सी से बांधा गया था। ट्रक पर कोई भी व्यक्ति नही मिला। गोवंष ट्रक में भरे होने की जानकारी मिलने पर मौका स्थल पर सामाजिक संगठन बजरंग दल, हिउस के गोविंद राठौर, राहुल राय, सुदामा राय, वीरेंद्र राय, अंषू राठौर,रानू राय सहित अन्य कार्यकर्ता भी पहुंचे।

पांडियन ने भाजपा की नींद उड़ाने का फैसला कर लिया

भुवनेश्वर। लंबे समय के बाद पांडियन ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बीजद को मजबूत करने का फैसला किया है। बीजद हलकों में चर्चा है कि भैरव पांडियन फरवरी से ही अपने मूल स्वरूप में लौट आएंगे।बीजद नेताओं के अनुसार, 24वें चुनाव में हार के बाद पांडियन सबसे ज्यादा व्यथित हैं। इससे वह परेशान हैं क्योंकि उनकी टीम के हारने की चर्चा है। इसलिए अब उन्होंने बीजद को जिताने की योजना बनानी शुरू कर दी है। फिर भी, उन्होंने भाजपा की नींद उड़ाने का फैसला कर लिया है।

बीजद के पास संगठन के लिए पर्याप्त धन है। चूंकि पार्टी के पास 615 करोड़ रुपये बैंक में जमा हैं, इसलिए उस धन का उपयोग अब संगठनात्मक कार्यों के लिए किया जाएगा। पांडियन ने आगामी पंचायत चुनाव में भाजपा को झटका देने की रणनीति तैयार की है। प्रत्येक जिला परिषद क्षेत्र के लिए अलग रणनीति है। 2022 और 2024 के मतों पर नजर रखी जा रही है। इस बात पर नजर रखी जा रही है कि किस मुद्दे पर कहां वोट कम पड़े हैं। जिन मुद्दों पर लोग भाजपा से नाराज हैं, और जिन भाजपा नेताओं को निशाना बनाया गया है, उनका जायजा ले रहे हैं भैरव पांडियन।

बीजद की नई टीम फरवरी में गठित की जाएगी। पार्टी के वरिष्ठ और कनिष्ठ नेताओं की एक विशेष टीम बनाने की योजना है। महान नेता सलाहकार की भूमिका में आएँगे। युवा नेताओं को संगठनात्मक कार्यों में लगाया जाएगा।अरुण साहू, अतनु सब्यसाची नायक और संजय दासबर्मा जैसे नेताओं को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जाएगी कि बीजद नेता भाजपा में न जाएं। ओडिशा को तीन प्रमुख क्षेत्रों में विभाजित करके संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में भाजपा का गढ़ बन गया है। न तो सरकार और न ही संगठन कुछ भी लागू कर रहा है। पार्टी नवीन पटनायक की सफलता और भाजपा सरकार की विफलता के विरोध में सड़कों पर उतरेगी। हर महीने ब्लॉक और जिला स्तर पर राउंडअप आयोजित किए जाएंगे।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

निरंकारी सामूहिक विवाह समारोह में 93 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

एक दूसरे का आदर-सत्कार करते हुए कर्तव्यों का पालन करे : सतगुरु माता

पिंपरी, पुणे। निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता के पावन सान्निध्य में सोमवार 27 जनवरी को आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में महाराष्ट्र के अतिरिक्त देश के कई राज्यों एवं दूर देशों से आये 93 युगल परिणय सूत्र में बंधे। महाराष्ट्र के 58वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के विधिवत समापन के उपरान्त पिंपरी पुणे स्थित मिलिटरी डेअरी फार्म ग्राउंड के समागम स्थल पर ही इस समारोह का आयोजन किया गया।

नव विवाहित वर-वधुओं को सतगुरु माता सुदीक्षा ने एक दूसरे का आदर-सत्कार करते हुए कर्तव्यों का निर्वाह करते हुए परस्पर प्रेम एवं भक्ति भाव से युक्त होकर जीवन जीने का आशीर्वाद प्रदान किया तथा निरंकारी पद्धति द्वारा सादे विवाह को अपनाने के लिए उनके परिवारों का अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में पारम्परिक जयमाला के साथ निरंकारी विवाह का विशेष चिन्ह सांझा-हार भी प्रत्येक जोड़े को मिशन के प्रतिनिधियों द्वारा पहनाया गया। तदोपरान्त आदर्श गृहस्थ जीवन जिने की शिक्षा प्रदान करने वाली निरंकारी लावें पढ़ी गई।

समारोह के दौरान सतगुरु माता एवं निरंकारी राजपिता रमित ने वर-वधू पर पुष्प वर्षा कर अपना दिव्य आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित वर-वधू के सम्बधित परिजनों एवं साध संगत ने भी पुष्प-वर्षा की। निश्चित रूप से यह एक अलौकिक दृश्य था।

आज के इस शुभ अवसर पर महाराष्ट्र के पुणे, कोल्हापुर, सोलापुर, सातारा, डोंबिवली, छत्रपती संभाजीनगर, अहिल्यानगर, धुले, नासिक, नागपुर, वारसा, चिपलुन और खरसई आदि विभिन्न स्थानों के अतिरिक्त गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगना राज्यों एवं विदेश से कुल 93 युगल सम्मिलित हुए। सामूहिक विवाह के उपरांत सभी के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था समागम स्थल पर की गई।

सादा शादियों के अंतर्गत काफी संख्या में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं उच्च शिक्षित नौजवानों के रूप में वर-वधुओं का समावेश दिखा। कुछ परिवार ऐसे भी थे जो अपने बच्चों की शादी बड़े धूमधाम से कर सकते थे। लेकिन सतगुरु की पावन छत्रछाया में उनकी दिव्य शिक्षाओं को अपनाते हुए निरंकारी पद्धति के अनुसार सादे रूप में शादी करके समाज के सामने उन्होंने एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया। निसंदेह सादा शादियों का यह अलौकिक दृश्य जाति, वर्ण की विषमता को मिटाकर एकत्व का सुंदर संदेश प्रस्तुत कर रहा था जो निरंकारी मिशन का संदेश भी है।

राष्ट्रीय खेलों में रिलायंस फाउंडेशन के 50 से अधिक एथलीट मैदान में उतरेंगे

देहरादून। उत्तराखंड में हो रहे राष्ट्रीय खेलों के 38वें संस्करण में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़े 50 से अधिक एथलीट भाग लेंगे। एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, शूटिंग, जूडो, भारोत्तोलन, कुश्ती और टेबल टेनिस सहित आठ खेल प्रतियोगिताओं में फाउंडेशन के एथलिट पदक जीतने की कोशिश करेंगे। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक उत्तराखंड में आयोजित होने वाले इन खेलों में कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटने की उम्मीद है।

रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ी हुई और टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतिस्पर्धा में भाग ले रही हैं। उनके साथ उभरती हुई जूडो सनसनी हिमांशी टोकस भी पदक की रेस में होंगी। जिन्होंने हाल ही में अफ्रीकी कप में शानदार जीत हासिल की थी। वे

वर्ल्ड जूनियर रैंकिंग में शीर्ष 5 में पहुँच गई हैं।

एथलेटिक्स इवेंट में रिलायंस फाउंडेशन के कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भाग लेंगे, जिनमें ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), तेजस शिरसे (110 मीटर बाधा दौड़), मणिकांता होबलीधर (100 मीटर), अमलान बोरगोहेन (200 मीटर) और रोजी मीना पॉलराज (पोल वॉल्ट) शामिल हैं। अनिमेष कुजूर (2024 में भारत के सबसे तेज धावक), डीएम जयराम, बापी हंसदा और साक्षी चव्हाण जैसे उभरते सितारों का प्रदर्शन भी देखने लायक होगा।

एथलेटिक्स दल के बारे में बात करते हुए, रिलायंस फाउंडेशन के एथलेटिक्स डायरेक्टर जेम्स हिलियर ने कहा, "हम राष्ट्रीय खेलों को लेकर वाकई उत्साहित हैं। यह हमारे एथलीटों के लिए अपनी फिटनेस को जांचने और वे कितनी अच्छी तरह से प्रशिक्षण ले रहे हैं, इसका आकलन करने का एक मौका है हमें उम्मीद है कि हमारे एथलीट, काफी पदक जीतेंगे। यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि हमारे अधिकांश एथलीट 2025 में एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे हैं।"

बैडमिंटन में, अनुपमा उपाध्याय, उन्नति हुड्डा और श्रीयांशी वलीशेट्टी की तिकड़ी महिला एकल खिताब के लिए दावेदारी पेश करेगी। टेबल टेनिस के दिग्गज जी साथियान पुरुष एकल स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। शूटिंग में डबल एशियन गेम्स मेडलिस्ट पलक गुलिया (10 मीटर एयर पिस्टल) और मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आशी चौकसे (10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन) पदक की दौड़ में शामिल हैं।

बड़ौत में आदिनाथ भगवान के निर्वाण लड्डू के दौरान हुआ हादसा बेहद दुखद : विपुल जैन

बागपत। नेशनल अवार्डी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार विपुल जैन ने कहा कि बडौत में भगवान आदिनाथ के निर्वाण लड्डू के दौरान हुआ हादसा बेहद दुखद है। इस हादसे में जो लोग मृत्यु का शिकार हुए हैं उनके प्रति वह अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

बड़ौत कस्बे के गांधी रोड़ स्थित जैन कॉलेज परिसर में भगवान आदिनाथ का निर्वाण लड्डू चढ़ाने को बनाया गया लकड़ी व बांस का मचान अचानक टूट गया, जिसके नीचे दबकर आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालुओ की मृत्यु हो गई, जबकि इस हादसे में चालीस से ज्यादा श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को बडौत नगर के विभिन्न सरकारी व प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल व एसपी बागपत अर्पित विजयवर्गीय घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी जुटाई। उसके बाद वह नगर के विभिन्न अस्पतालों में पहुंचे और वहां पर घायलों का हाल-चाल जाना। उन्होंने घायलों की हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। विपुल जैन ने सरकार से इस हादसे में मारे गए श्रद्धालुओं के परिजनों को 50- 50 लाख रुपए तथा घायलों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

सौरभ शर्मा को लोकायुक्त ने हिरासत में लिया

भोपाल । मध्य प्रदेश के परिवहन घोटाले के मुख्य आरोपी परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा को लोकायुक्त पुलिस ने न्यायालय परिसर के बाहर से हिरासत में ले लिया है।

सौरभ शर्मा राजधानी के न्यायालय में सरेंडर करने जा रहा था, तभी उसे बाहर से लोकायुक्त पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह दावा सौरभ के अधिवक्ता ने किया है। सौरभ के वकील राकेश पाराशर ने संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा कि उनका मुवक्किल लोकायुक्त में सरेंडर करने आ रहा था तभी उसे न्यायालय के बाहर से हिरासत में ले लिया गया है।

सौरभ के अधिवक्ता का आरोप है कि लोकायुक्त ने नियम विरुद्ध उसे हिरासत में लिया है। उनकी मांग है कि सौरभ का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाए। उसके साथ ही उसकी वीडियोग्राफी की जाए। इसकी तीन कॉपी बनाकर न्यायालय, लोकायुक्त और उन्हें सौंपी जाए।

ज्ञात हो कि पिछले माह दिसंबर में सौरभ शर्मा के खिलाफ तीन जांच एजेंसियों और लोकायुक्त, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय ने कार्रवाई की थी। इस दौरान एक कार में 52 किलो सोना और 10 करोड़ रुपए नगदी मिले थे। इसके अलावा सौरभ और उसके करीबी चेतन सिंह गौर के निवास पर ढाई क्विंटल से ज्यादा की चांदी बरामद की गई थी।

कई दिनों से लगातार इस बात की आशंका जताई जा रही थी कि सौरभ अपने परिवार के साथ दुबई में है, मगर इसी बीच सोमवार को उसके सरेंडर करने का आवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

राज्य में सौरभ शर्मा के मामले का खुलासा होने के बाद से सियासत भी खूब गर्माई हुई है। इसको लेकर कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर जमकर हमले कर रहे हैं। सौरभ शर्मा से जुड़े कई कागजात भी सामने आए और कई नेता संदेह के घेरे में हैं। वहीं जांच एजेंसियां सौरभ और उससे जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी थीं।

जीबीएस के लक्षण दिखाई देने पर घबराए नहीं, तुरंत लें डॉक्टर की सलाह : महाराष्ट्र सरकार

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने लोगों से अपील की है कि गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के लक्षण दिखाई देने पर बिल्कुल ना घबराएं, फौरन डॉक्टर की सलाह लें, ताकि समय रहते उपचार हो सके। ऐसे लक्षण देखे जाने पर उपचार करने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरते।

वहीं, सरकार की तरफ से इस बीमारी के लक्षण देखे जाने पर निवारक उपाय का पालन करने की सलाह भी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को भी कई जगह पर जीबीएस के मरीज देखे गए हैं। इनमें से 7 मरीज पुणे महानगरपालिका से, एक मरीज पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम से और एक मरीज अन्य जिले से हैं। अब तक कुल 110 संदिग्ध जीबीएस मरीज मिले हैं, जिनमें से 8 की मौत हो चुकी है। जिसे देखते हुए लोगों के बीच कई तरह की चिंताएं उभरकर सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार की तरफ से लगातार लोगों से यही अपील की जा रही है कि उन्हें घबराने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। इस तरह के किसी भी प्रकार के लक्षण देखे जाने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

राज्य में अब तक पुष्ट जीबीएस मामलों की संख्या में 88 मरीज पुणे नगर निगम से, 15 मरीज पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम से और 7 मरीज अन्य जिलों से हैं। इन मरीजों में 73 पुरुष और 37 महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल 13 मरीज वेंटिलेटर पर हैं।

जीबीएस के सामान्य लक्षणों की बात करें, तो इसमें हाथ या पैर में अचानक कमजोरी या लकवा, चलने में परेशानी होना या अचानक कमजोरी महसूस होना, और निरंतर दस्त लगना शामिल हैं।

वहीं, सरकार के अलावा स्वास्थ्य विभाग की तरफ से भी लोगों से यही अपील की गई है कि अगर उन्हें इस बीमारी के संबंध में किसी भी प्रकार के लक्षण दिखे, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

भाजपा 15 फरवरी से 15 मार्च 2025 के बीच प्रत्येक जिले में अटल विरासत सम्मेलन करेगी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी महानगर और जिला इकाई की तरफ से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जन्म शताब्दी वर्ष पर कई आयोजन करेगा।

आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा व महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने संयुक्त रुप से गुलाब बाग स्थित भाजपा कार्यालय मे आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताते हुए कहा कि गौरव और हर्ष का विषय है कि यह वर्ष भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म शताब्दी वर्ष है। इस विशेष अवसर पर अटल जी की जयंती 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में मनाई गई।

इस उपलक्ष्य में बूथ, मंडल, जिला, प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा व महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने संयुक्त रुप से बताया कि नई दिल्ली स्थित श्रद्धेय अटल के स्मारक सदैव अटल पर श्रद्धांजलि और प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रीगण, एनडीए नेतागण एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इसके साथ ही श्रद्धेय अटल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर जिला से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कहा कि देशवासी गौरवान्वित हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूरदर्शी सोच और ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ विकसित भारत के संकल्प को साकार कर रहे हैं, जो श्रद्धेय अटल जी के दृष्टिकोण का प्रतीक है।भाजपा जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा व महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने संयुक्त रुप से कहा कि जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अटल स्मृति संकलन एवं संपर्क अभियान का शुभारंभ किया गया है, जो 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। इस अभियान के तहत जिलों में उन व्यक्तियों को चिन्हित किया जाएगा, जिनके पास श्रद्धेय अटल जी के साथ साझा किए गए किसी भी क्षण की स्मृति हो। यह स्मृति कागजी माध्यम (जैसे पेपर कटिंग, किताब पर ऑटोग्राफ), ऑडियो या वीडियो क्लिप के रूप में हो सकती है। ऐसे पुण्यजनों के पास जाकर उनके अनुभव और स्मृतियों को सम्मानपूर्वक संकलित किया जाएगा। साथ ही, उन वरिष्ठ कार्यकताओं को भी चिन्हित किया जाएगा, जिन्होंने अटल जी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी या किसी अन्य संबंधित संगठन में कार्य किया हो। इन वरिष्ठजनों को सूचिबद्ध कर सम्मानित किया जाएगा।

आगे कहा कि अभियान के अंतर्गत अटल जी पर लिखे गए लेखों और पुस्तकों को एकत्रित कर उनकी सूची तैयार की जाएगी। इस जानकारी को बाद में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा। जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा एवं महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने संयुक्त रूप से कहा कि 15 फरवरी से 15 मार्च 2025 के बीच प्रत्येक जिले में अटल विरासत सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें जिले के प्रबुद्धजन, सूचीबद्ध विशिष्टजन और अटल जी के सभी प्रशंसकों को आमंत्रित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अटल जी के साथ कार्य कर चुके वरिष्ठ कार्यकताओं का सम्मान होगा। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर लिखे गए लेखों और पुस्तकों के लेखकों को भी सम्मानित किया जाएगा। सम्मेलन में अटल जी से जुड़ी स्मृतियों की डिजिटल प्रस्तुति के साथ-साथ उनके कार्यकाल में प्रेरित होकर शुरू की गई योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतिकरण होगा।जिले के उन सभी पुण्यजनों से निवेदन है, जिनके पास श्रद्धेय अटल जी से संबंधित कोई भी स्मृति (कागजी, ऑडियो, या वीडियो) उपलब्ध हो, या जिन्होंने उनके साथ प्रत्यक्ष रूप से कार्य किया हो, वे भाजपा जिला कार्यालय से संपर्क करें। इससे हमारा संगठन उन महानुभावों तक पहुँच सके और उनकी अमूल्य स्मृतियों को संजो सके। महानगर से कार्यक्रम संयोजक महानगर उपाध्यक्ष मधुकर चित्रांश एवं जिले से जिला महामंत्री डॉ जे पी दुबे को बनाया गया।इस अवसर पर क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, सह प्रभारी संतोष सोलापुरकर, नवीन कपूर, संजय सोनकर, शैलेन्द्र मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महाकुंभ में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

सागरॉ। मध्य प्रदेश के सागर जिले में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान करने के लिए जा रहे श्रद्धालुओं की कार सामने से आ रहे कंटेनर से जा टकराई। इस हादसे में कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है जबकि तीन अन्य लोग घायल हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार धार जिले के धर्मपुरी निवासी छह युवक कार से प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में स्नान के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार मंगलवार की सुबह सागर जिले के राहतगढ़ थाना क्षेत्र से गुजर रही थी तभी मसुरयाई मोड़ पर सामने से आ रहे कंटेनर से जा टकराई।

इस हादसे में कार सवार अजय जायसवाल, पप्पू उर्फ अरविंद और देवेंद्र सिंह की मौके पर मौत हो गई है जबकि उनके तीन अन्य साथी आशीष जायसवाल, सनी जायसवाल और दिनेश केवट घायल हुए हैं। इन सभी को उपचार के लिए राहतगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया गया है कि यह हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसी के चलते कार में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। आशंका इस बात की जताई जा रही है कि कार और सामने से आ रहा कंटेनर बहुत तेज रफ्तार से दौड़ रहे थे। मृतकों के पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि राज्य में ठंड का असर बना हुआ है। कई हिस्सों में सुबह के समय कोहरा भी छाया रहता है, जिससे सड़क हादसे होने की आशंका बनी रहती है। इस हादसे के पीछे भी यही आशंका जताई जा रही है।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी